डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 49 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 05 जनवरी से 11 जनवरी 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ऐतिहासिक एवं संवेदनशील पहल

-माँ योजना में अब पूरे देश में इलाज की सुविधा
-गंभीर रोगियों को उपचार के लिए मिलेंगे बेहतर विकल्प
-दूसरे राज्यों के 30 हजार से अधिक अस्पतालों का विशाल नेटवर्क शामिल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। योजना में शामिल करोड़ों परिवार अब देश के दूसरे राज्यों में भी निःशुल्क उपचार ले सकेंगे। मुख्यमंत्री की ऐतिहासिक पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के प्रयासों से अब इस योजना में देश के 30 हजार से अधिक अस्पतालों का बड़ा नेटवर्क शामिल हो गया है। इससे प्रदेश के नागरिकों को देश के नामी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सकेगा। निरूशुल्क उपचार की दिशा में राज्य सरकार का यह बड़ा कदम है, जो यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (MAA) प्रदेश के करोड़ों परिवारों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY)

को एकीकृत कर वृहद रूप में संचालित की गई यह योजना आज न केवल प्रदेश के भीतर, बल्कि प्रदेश की सीमाओं के बाहर भी निःशुल्क और कैशलेस इलाज की गारंटी बन चुकी है। राज्य सरकार ने इस योजना में करीब 6 माह पहले इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू की थी, जिसके पहले चरण में इन बाउण्ड पोर्टेबिलिटी लागू की गई थी, जिसके तहत दूसरे राज्यों के नागरिकों को राजस्थान में इलाज की सुविधा उपलब्ध करवाई गई थी। अब 19 दिसम्बर से इस योजना में आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इससे प्रदेश के नागरिकों को देश के अन्य राज्यों में निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

गंभीर रोगियों की पीड़ा होगी दूर:-

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि अब तक गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए कई मरीजों को मजबूरी में गुजरात, दिल्ली जैसे अन्य राज्यों में जाकर इलाज कराना पड़ता था, जहां उन्हें अपनी जेब से भारी खर्च वहन करना पड़ता था। इस पीड़ा को समझते हुए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक और जनहितकारी निर्णय लेते हुए आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी को लागू कर दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत अब राजस्थान के पात्र परिवार प्रदेश के बाहर भी एम्पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस इलाज प्राप्त कर सकेंगे। आउटबाउंड पोर्टेबिलिटी का लाभ न केवल PMJAY के पात्र परिवारों को मिलेगा, बल्कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सभी पात्र परिवारों को भी देश के अन्य राज्यों में 25 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध होगा।

नामी अस्पतालों में मिलेगा गुणवत्तापूर्ण इलाज

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत देश के विभिन्न राज्यों (तमिलनाडु और कर्नाटक को छोड़कर) में स्थित लगभग 16 हजार सरकारी और 14 हजार निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलेगी। इसमें पड़ोसी राज्यों के प्रमुख अस्पताल भी शामिल हैं। दिल्ली के 184, गुजरात के 2067, हरियाणा के 1366, मध्य प्रदेश के 1622, महाराष्ट्र के 1709, पंजाब के 823 और उत्तर प्रदेश के 6182 अस्पताल इस योजना में सूचीबद्ध हैं। इसमें दिल्ली एवं भोपाल के एम्स, मेदांता, चंडीगढ़ का पीजीआई, लखनउ का केएमपीयू, गुजरात के यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एण्ड रिसर्च सेंटर, द गुजरात कैंसर एण्ड रिसर्च सेंटर, बनास मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, पालनपुर, सहित कई नामी अस्पताल शामिल हैं।

अब तक 7100 करोड़ का कैशलेस इलाज, दूसरे राज्यों में 15 दिन में लगभग 350 रोगियों ने लिया उपचार:-

राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी के तहत अब तक लगभग 350 रोगियों ने उपचार प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 1.36 करोड़ पात्र परिवारों को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

योजना में करीब 2200 प्रकार के उपचार पैकेज शामिल हैं, जिनमें सामान्य रोगों से लेकर कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग, अंग प्रत्यारोपण जैसी गंभीर और खर्चीली बीमारियों का इलाज संभव है। विगत दो वर्ष में योजना के तहत 37 लाख से अधिक मरीजों को 7100 करोड़ रुपये से अधिक का निःशुल्क उपचार दिया जा चुका है। इनमें ढाई लाख ऐसी गंभीर रोगी शामिल हैं, जो जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे थे। इस योजना से उन्हें नया जीवन मिला।

'इलाज सबके लिए' का संकल्प होगा साकार:-

आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी का निर्णय उन लाखों मरीजों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत है, जिन्हें गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों और विशेष अस्पतालों की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के माध्यम से राजस्थान सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि स्वास्थ्य सेवाओं में न तो दूरी बाधा बनेगी और न ही आर्थिक स्थिति। यह पहल "इलाज सबके लिए" के संकल्प को साकार करती है।

सरकार जनता के हितों के साथ खिलवाड़ कर रही है - डोटासरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने राजस्थान की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने जानबूझ कर पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव कार्यकाल पूर्ण होने के एक वर्ष पश्चात भी नहीं करवा कर राजस्थान की जनता खासकर ग्रामीण क्षेत्र के हक और हितों के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव ना कराना न सिर्फ संवैधानिक चूक है, बल्कि प्रदेश के गांवों के विकास पर सीधा हमला भी है। डोटासरा ने राज्य सरकार से मांग की है कि मार्च, 2026 से पूर्व पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव सम्पन्न करवायें जायें अन्यथा समय पर चुनाव नहीं होने से केन्द्र सरकार से प्रदेश के विकास हेतु मिलने वाला 3000 करोड़ रूपये का विकास फण्ड मार्च, 2026 में लैप्स हो जाएगा। इससे ग्रामीण विकास कार्य ठप्प हो जाएंगे। कांग्रेस पार्टी बार-बार समय पर चुनाव कराने हेतु राज्य सरकार से मांग कर रही है और ग्रामीण विकास के लिये केन्द्र से मिलने वाले फण्ड के लैप्स हो जाने को लेकर भी राज्य सरकार को चेताने का कार्य किया है। राजस्थान सरकार को जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए और हर हाल में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव मार्च, 2026 से पहले संपन्न करवाकर ग्रामीण विकास का पैसा जारी हो इस हेतु कार्य करना चाहिए।

हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं को भी सरकार और सुरक्षा बलों पर भरोसा रखना चाहिए

-गाजियाबाद में हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी के नेतृत्व में तलवारें बांटी गई
-वहीं एआईएमआई के कार्यकर्ताओं ने जवाब में घर-घर जाकर पेन और फूल बांटने का काम किया

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी के नेतृत्व में गाजियाबाद में हिंदू परिवारों को घर-घर जाकर तलवारें बांटी गईं। पिंकी चौधरी का कहना है कि हिंदुओं को अपनी बहन-बेटियों की रक्षा के लिए अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी। वैसे 6 इंच के चाकू से बड़ा हथियार रखना, चलाना या बांटना गैर-कानूनी माना जाता है। पिंकी चौधरी जो हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष है, को यह बात समझने की जरूरत है कि देश में 80% हिंदू हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह जैसे हिंदूवादी नेताओं के हाथ में देश की बागडोर है। देश की तीनों सेनाओं के प्रमुख हिंदू हैं और भारतीय सेना में 98% सैनिक हिंदू हैं, देश की अर्द्धसुरक्षा बल, पुलिस बल में भी अधिकारी और सिपाही हिंदू हैं। देश की ब्यूरोक्रेसी में आईएएस से लेकर चपरासी तक के पदों पर 98% लोग हिंदू हैं। देश में हिंदू मुस्लिम की जनसंख्या का अनुपात 80:20 का है। मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि लगातार घटती जा रही है। एक हज़ार वर्षों तक मुसलमानों की जनसंख्या हिंदुओं के बराबर नहीं होने वाली है, फिर हिंदू सुरक्षा बल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी और कुछ हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को ऐसा क्यों लगता है कि हिंदुओं को मुसलमानों से खतरा है ! जबकि देश में 16 प्रतिशत मुसलमानों में भी 95% गरीबी की रेखा से नीचे जीवन जी रहे हैं, ज्यादातर अशिक्षित हैं और राजनीति से अनभिज्ञ हैं। फिर भी मुसलमानों का डर समझ से परे है, कल्पना है, साइकोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें कोई सच्चाई नहीं है। पिंकी चौधरी और अन्य हिंदू कार्यकर्ताओं को देश के शासकों, सेनाओं, पुलिस और प्रशासन पर भरोसा रखना चाहिए, क्योंकि जो सोच रहे हैं उसमें कुछ भी सच्चाई नहीं है। अगर इसमें सच्चाई होती तो सरकार पिंकी चौधरी को क्यों गिरफ्तार करती ?

फूल और कलम बांटना उचित है-

एआईएमआईएम के कार्यकर्ताओं ने लखनऊ में घर-घर जाकर कलम और फूल बांटे और कहा गया कि जीवन में शिक्षा ही ज़रूरी है जिसके लिए कलम जरूरी है। इसी तरह आपस में शांति, भाईचारा एवं मिल-जुलकर रहना देश के विकास के लिए बहुत जरूरी है। देश के हर व्यक्ति और संगठन को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। देश में आपसी एकता, भाईचारा बढ़ेगा तो देश मजबूत होगा। देश में माहौल बदलना जरूरी है। देश के प्रत्येक बच्चे को उच्च शिक्षा तक पहुंचना जरूरी है, शिक्षित नागरिक ही देश को आगे ले जाने में सहयोग कर सकता है। देश में राजनीति के मुद्दे भी शिक्षा, रोजगार, विकास, तकनीक, सामाजिक सुधार एवं मूलभूत आधार का विकास होना चाहिए। देश में लोग दुर्घटनाओं, कफ सीरप, नशाखोरी, ड्रग से सैंकड़ों की संख्या में मर रहे हैं, उनके लिये भी आवाज़ उठानी चाहिए। बेसहारा और गरीबों की सहायता के बारे में भी सोचना जरूरी है।

भाजपा का भविष्य उज्जवल है- चंद्रराज सिंघवी

-उन्होंने कहा कि राजस्थान में जाति समीकरण आज भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में लंबे समय से लंबित मंत्री मंडल विस्तार को लेकर सियासी चर्चायें तेज हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस फैसला सामने नहीं आया है। इस मुद्दे पर रॉयल पत्रिका से खास बातचीत में वरिष्ठ राजनीतिज्ञ, अनुभवी नेता, राजनीति में यारों के यार, राजनीति के सटीक विश्लेषक, स्पष्टवादी नेता और राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री, जो अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक के साथ काम कर चुके चंद्रराज सिंघवी ने सवाल उठाते हुए कहा कि मंत्रिमंडल विस्तार कोई साधारण प्रक्रिया नहीं है, इसके लिए पूरी तैयारी और संतुलन जरूरी होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान का होता है और जो भी निर्णय लिया जाएगा, वह "दिल खोलकर" लिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि केवल प्रतीक्षा कराने से पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता है। उन्होंने याद दिलाया कि राजस्थान में हुए उपचुनावों के समय यह चर्चा थी कि जिन सात सीटों पर जीत होगी, उनमें से कुछ विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। उस समय कई नाम सामने आए थे, लेकिन अब तक विस्तार न होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। वरिष्ठ नेता ने जातीय प्रतिनिधित्व को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि

यदि किसी जाति का पार्टी में बड़ा जनाधार है और उसके बावजूद उसे उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, तो यह न सिर्फ उस समाज के लिए बल्कि पार्टी के हित में भी ठीक नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज तक शायद ही कोई ऐसा मंत्रिमंडल रहा हो जिसमें तीन से कम कैबिनेट मंत्री जैन समाज से रहे हों, जबकि वर्तमान स्थिति इससे अलग दिखाई देती है। उन्होंने किरोड़ी लाल मीणा का नाम लेते हुए कहा कि वे मीणा समाज के सबसे बड़े और प्रभावशाली नेता हैं। उनके अनुसार किरोड़ी लाल मीणा जैसे अनुभवी, ईमानदार और संघर्षशील नेता के साथ न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि जातीय संतुलन को नजरअंदाज किया गया, तो इसका असर आने वाले चुनावों पर पड़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संबंधों पर पूछे गए सवाल पर वरिष्ठ नेता ने कहा कि वे याचक बनकर किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। जरूरत पड़ी तो समय मांगा जा सकता है, लेकिन सम्मान से। उन्होंने यह भी कहा कि वे राजस्थान की समस्याओं को राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचा चुके हैं। राजस्थान की राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि आज राजनीति का स्वरूप बदल गया है। पहले योग्यता और विचारधारा को महत्व मिलता था, लेकिन अब कई बार दिखावे और प्रभाव के आधार पर फैसले होते हैं। इसके बावजूद उन्होंने भाजपा के भविष्य को उज्ज्वल बताया और कहा कि पार्टी को सभी समाजों को साथ लेकर चलना होगा। अंत में उन्होंने कहा कि यदि समय रहते संतुलन और न्याय नहीं किया गया, तो पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है। राजस्थान की राजनीति में जातीय समीकरण आज भी निर्णायक भूमिका निभाते हैं और इसे नजरअंदाज करना किसी के हित में नहीं है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और बीजेपी के बीच 'मंदिर राजनीति' का चुनाव पर क्या असर होगा?

-भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ने हिंदुओं के ज्यादातर वोट लेने की योजना बनाई

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले धार्मिक स्थलों और सांस्कृतिक प्रतीकों को लेकर राजनीति एक बार फिर तेज़ होती दिख रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार के मंदिर और सांस्कृतिक परिसरों से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स की घोषणाओं ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच सियासी टकराव को और गहरा कर दिया है। 30 दिसंबर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में 'दुर्गा आंगन' नामक सांस्कृतिक परिसर की आधारशिला रखी। यह परियोजना दुर्गा पूजा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के

रूप में मिली मान्यता के सम्मान से जोड़ी जा रही है। राज्य सरकार के मुताबिक, 17 एकड़ से अधिक क्षेत्र में बनने वाले इस परिसर में दुर्गा मंदिर के साथ शिव, गणेश, कार्तिक, सरस्वती और लक्ष्मी के मंदिर भी होंगे। इस परियोजना पर लगभग 262 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बीबीसी हिंदी के व्हॉट्सऐप चैनल से जुड़ने के लिए यहाँ क्लिक करें। ममता बनर्जी ने इस मौके पर कहा, "दुर्गा पूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, यह बंगाल की संस्कृति और विरासत का हिस्सा है। इसे संरक्षित करना हमारी ज़िम्मेदारी है।" बीजेपी ने इस परियोजना को चुनावी तुष्टिकरण करार दिया है। बीजेपी नेताओं का आरोप है कि टीएमसी चुनाव से पहले हिंदू भावनाओं को साधने की कोशिश कर रही है। पार्टी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, "ममता बनर्जी की 'दुर्गा आंगन' परियोजना उनकी राजनीति की तरह तुष्टिकरण में डूबी हुई है। यह बंगाली हिंदुओं की आस्था का मज़ाक है और भक्ति को वोट बैंक के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।"

बीजेपी के आरोपों पर ममता बनर्जी का जवाब-

हालांकि ममता बनर्जी ने बीजेपी के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा, "जब कोई धार्मिक सहायता के लिए आता है, चाहे हिंदू हो, मुस्लिम, जैन, ईसाई या पारसी, तो कुछ लोग कहते हैं कि मैं तुष्टिकरण करती हूं। मैं तुष्टिकरण नहीं करती। मैं सच्चे मायनों में धर्मनिरपेक्ष हूं।" "आप मुझे एक भी धर्म नहीं दिखा सकते जिसके कार्यक्रम में मैं नहीं जाती। गुरुद्वारे में जाती हूं तो सिर ढकती हूं, तब कोई आपत्ति नहीं करता। फिर ईद के कार्यक्रम में जाने पर आपत्ति क्यों होती है?" 'दुर्गा आंगन' ममता बनर्जी की हालिया धार्मिक और सांस्कृतिक पहलों की श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले दीघा में जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई। सरकार के मुताबिक जनवरी के दूसरे सप्ताह में उत्तर बंगाल में महाकाल मंदिर की आधारशिला रखी जाएगी। कोलकाता स्थित राजनीतिक विशेषज्ञ मैदुल इस्लाम का कहना है, "मुझे लगता है कि ममता अब बीजेपी को उसी के मैदान पर ललकार रही हैं, वे खुद ब्राह्मण हैं। ममता वोटिंग व्यवहार और पैटर्न को बहुत अच्छे से समझती हैं और विभिन्न समूहों को संभालती हैं।" "पिछले दस सालों से बीजेपी लगातार उनके खिलाफ प्रचार कर रही है कि वे हिंदू-विरोधी नेता हैं। जब बीजेपी पश्चिम बंगाल में प्रमुख विपक्षी ताकत बन गई, तब से पूरी तस्वीर बदल गई। 2011-2016 के बीच ऐसा नहीं था। जब राज्य में वामपंथी राजनीति कमजोर हो गई, तब यह बयानबाजी होना तय था।"

बाबरी मस्जिद की छाया और हुमायूं कबीर-

मंदिर राजनीति के बीच बाबरी मस्जिद का मुद्दा भी बंगाल की राजनीति में उभरा है। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाया है कि जहां एक ओर टीएमसी हिंदू मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है, वहीं अल्पसंख्यक वोट बैंक को भी संदेश दिया जा रहा है। टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद ज़िले में एक मस्जिद की आधारशिला रखी थी। इसके बाद वहां बड़ी संख्या में लोग दान और निर्माण सामग्री लेकर पहुंचे। पार्टी ने इस घटना के बाद कबीर को निलंबित कर दिया। चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में दौरे करते समय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "'मंदिर और मस्जिद' की राजनीति कौन कर रहा है? एक पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक हैं और दूसरी तृणमूल कांग्रेस खुद।

शेष पृष्ठ 2 पर....

ममता हुई शर्मसार, शौचालय में मिली नवजात बालिका

-पुलिस की तत्परता से बची जान

हिंडौन (रॉयल पत्रिका)। सिटी शहर के बरगमा रोड स्थित अग्रसैन कॉलोनी से मानवता को झकझोर देने वाला एक मामला सामने आया है, जहां एक नवजात बालिका को शौचालय में लावारिस हालत में छोड़ दिया गया। कपड़ों में लिपटी इस बच्ची के मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। क्या है पूरा मामला? कोतवाली थाना अधिकारी महेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अग्रसैन कॉलोनी में विष्णु सोनी पुत्र महादेव सोनी के मकान में बने शौचालय से बच्चों के रोने की आवाज आई। स्थानीय लोगों ने जब जाकर देखा तो वहां कपड़ों में लिपटी एक नवजात बच्ची मिली। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बिना देरी किए नवजात को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बालिका पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित है। फिलहाल उसे डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी तक पहुंचने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और कॉलोनी के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर समाज में बेटी के अस्तित्व और ममता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नए साल पर नया आगाज़:

टीम वतन फाउंडेशन ने किया 'मिशन 365' का शुभारंभ

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। पिछले 10 वर्षों से देश में अमन, सुकून, भाईचारा, सेवा, सांप्रदायिक सौहार्द और राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने में निरंतर सक्रिय टीम वतन फाउंडेशन द्वारा नव वर्ष के अवसर पर कलाम वाटिका में भव्य नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक राजेश शर्मा, प्रोफेसर रामलाल बैरवा एवं रजनी लक्स्वाल के सानिध्य में टीम के सभी साथियों ने एक-दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएँ दीं और "नए साल पर नया आगाज़ – मिशन 365" की सामूहिक शुरुआत की। कार्यक्रम में संगठन उपसचिव मंजू गंगवाल जी ने एक दूसरे के परिचय से शुरुआत हुई, कोषाध्यक्ष महेश योगी,द्वारा पिछले वर्ष का आय-व्यय एवं गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। वहीं संगठन सचिव संजय बैरवा ने आगामी वर्ष में मिशन 365 को सफल बनाने के लिए पूरी टीम से एकजुट होकर समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया। टीम वतन फाउंडेशन के संस्थापक हुसैन आर्मी ने नव वर्ष की पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देकर संगठन द्वारा संचालित "मोहब्बत की रसोई" की सराहना करते हुए बताया कि यह सेवा पिछले 15 महीनों से लगातार हर सोमवार लगभग 500 जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने इस पुण्य कार्य के लिए पूरी टीम का और शहर वाशियों का आभार व्यक्त करते हुए मिशन 365 के अंतर्गत सेवा कार्यों को और अधिक विस्तार देने हेतु सभी को प्रेरित किया। ताकि हम सब मिलकर 23 मार्च 2026 को मिशन 365 को धरातल पर लागू कर सके, जिस शहर में हर दिन मोहब्बत की रसोई चले इसके लिए 365 लोगों का एक ग्रुप तैयार करेंगे जिसमें हर दिन किसी न किसी शहर वासी टीम के साथी के साथ और सहयोग से मोहब्बत की रसोई चला सके समारोह में उपस्थित सभी साथियों ने मोहब्बत की रसोई को इंसानियत, प्रेम और सेवा का प्रतीक बताते हुए इसे एक खूबसूरत और प्रेरणादायक मुहिम बताया। नव वर्ष मिलन समारोह में संगठन सचिव सुनीता मधुकर, उपसचिव राजेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया, मंजू गगवाल, सुनीता गोमे, सुमन शर्मा, बबीता, रजनी गर्ग, अंतिमा शर्मा, राजेश पहाड़िया, मुकेश जैन, सलमान रंगरेज रईस अंसारी, इरफान, मनोज, मकबूल ,पूजा मीना, विष्णु मीणा, वर्मा, दुष्यंत, संजय, दारा सिंह, दलीप बैरवा,सहित अनेक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक ऊर्जा, सामाजिक समरसता और सेवा संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर यह प्रण लिया कि मिशन 365 के माध्यम से वर्षभर समाजसेवा की यह मुहिम निरंतर जारी रहेगी।

चौमूँ में 'बुलडोजर' कार्रवाई पर पूर्व विधायक शर्मा ने कहा- यह असामाजिक तत्वों के लिए नजीर है

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। शहर में 25 दिसंबर को हुई पत्थरबाजी और हिंसा की घटना के बाद प्रशासन द्वारा की गई सख्त कार्रवाई पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्णय की सराहना की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार पत्थरबाजों और उपद्रवियों के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम कर रही है।

अतिक्रमण पर चला पीला पंजा, मिले हथियार-

नगर परिषद और पुलिस प्रशासन द्वारा इमाम चौक और पठानों के मोहल्ले में चिन्हित किए गए अवैध अतिक्रमणों को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। कार्रवाई

के दौरान मौके से एयरगन और धारदार हथियार भी बरामद हुए हैं, जो उपद्रवियों की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। गौरतलब है कि 25 दिसंबर को मस्जिद के बाहर रेलिंग लगाने के विवाद में पत्थरबाजों ने पुलिस पर हमला किया था, जिसमें 6 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि "चौमूँ की कार्रवाई उन लोगों के लिए एक कड़ा संदेश है जिनका कानून में विश्वास नहीं है। प्रदेश में अब पत्थरबाजों और शांति भंग करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है।" पूर्व विधायक ने बताया कि उन्होंने स्वयं मुख्यमंत्री से मिलकर उपद्रवियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की थी, जिस पर त्वरित अमल हुआ है। उन्होंने उदयपुरिया मोड़ पर मंदिर शिफ्ट करने के स्थानीय लोगों के फैसले को सराहनीय बताया और मुस्लिम समुदाय से भी अपील की कि वे बस स्टैंड क्षेत्र से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाएं ताकि शहर को जाम से मुक्ति मिले और भाईचारा बना रहे।

सावित्री बाई फुले जी की जयंती मनाई

-गौशाला में नाथू लाल सैनी ने 11000 रुपए का सहयोग दिया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा सब्ज़ी मंडी परिसर में देश की प्रथम महिला अध्यापिका,समाज सेविका सावित्री बाई फुले की जयंती समारोह महाराज हरिओम दास जी महाराज के सानिध्य में जयंती मनाई तथा इस मौके पर खोरी परमानंद जी महाराज की गोशाला में अभी हाल ही में जो नुकसान हुआ है। इस मौके पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नाथू लाल सैनी ने 11000 रुपए का सहयोग दिया। इस मौक़े पर रामेश्वर गोरेटा, जितेंद्र शर्मा, मुकेश खुडानिया, जगदीश सोनी, महेश सैनी, बद्री सैनी, रामकुमार लोहार, राधेश्याम सैनी,राजेंद्र शर्मा, गणेश सैनी, रोहतास सैनी, C M सैनी, सूरज सैनी, सुभाष भडाणा, विशाल पलसानिया, अक्षय सैनी, सीताराम

योगी, तेजपाल यादव, पप्पू सैनी, मुकेश यादव, अमित सैनी, सुरेंद्र यादव,घनश्याम सैनी, रामसिंह जीतरवाल, बाबूलाल बुनकर, मुकेश गुर्जर, सुरेश जाट आदि लोग मौजूद रहे हैं।

सुमन वर्मा सावित्रीबाई फुले सम्मान-2026 से सम्मानित

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ के द्वारा 7वां सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख सम्मान समारोह शनिवार को साइंस पार्क ऑडिटोरियम, शास्त्री नगर जयपुर में आयोजित समारोह में जिला विधिक प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा, समाज कल्याण विभाग राजस्थान की पूर्व अध्यक्षा अर्चना शर्मा, बसंत हरियाणा, भारतीय दलित अकादमी के राष्ट्रीय सचिव बाबूलाल निर्मल, अकादमी के प्रदेश महासचिव भोमाराम बोस,

हेमंत मीमरोठ, सुमन देवठिया, राजस्थान एकल नारी एवं महिला मंच की संरक्षक डॉ. मीता सिंह, सुप्यार चारण, चुन्नीलाल कुमावत, ओमप्रकाश, भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा हेमलता काँसोटिया ने चौमूं तहसील के ग्राम टांकरडा निवासी सुमन वर्मा को सावित्रीबाई फुले सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया।

पत्थरबाजी के बाद बड़ा एक्शन, चौमूं में अवैध निर्माण ध्वस्त

-बुलडोजर कार्रवाई से हड़कंप, सीढ़ियां, चबूतरे और रैंप तोड़े गए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चौमूं कस्बे में हुए बवाल के आरोपियों के घरों में अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की गई। पुलिस-प्रशासन ने शहर में इमाम चौक जाने वाले मार्ग और पठानों के मोहल्ले में अवैध निर्माणों को तोड़ा और 3 बिल्डिंग को सील किया। इससे पहले अवैध निर्माण करने वालों को नोटिस जारी कर तीन दिन का समय दिया गया था। इसके बाद बिल्डिंग पर निशान लगाए गए थे। दरअसल, 25 दिसंबर को चौमूं बस स्टैंड पर स्थित धार्मिक स्थल के बाहर लोहे की रेलिंग लगाने को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान पुलिस पर पत्थरबाजी की गई, घटना में 6 पुलिसवालों के सिर पर चोट आई थी। तनाव के चलते कस्बे में दो दिन इंटरनेट भी बंद रहा था। वही 24 आरोपियों के घर व बूचखड़ानों पर कार्रवाई की गई,पुलिस ने पत्थरबाजों के घरों और अवैध बूचड़खानों पर नोटिस चस्पा

कर तीन दिन में जवाब देने के लिए कहा था। नोटिस की मियाद 31 दिसंबर को पूरी हो गई थी। गुरूवार को हुई कार्रवाई में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। ये कार्रवाई ऑपरेशन क्लीन के तहत की गई, 6 घंटे चली अवैध अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई,चौमूं में नगर परिषद ने करीब 6 घंटे तक कार्रवाई की। सुबह 8 बजे से शुरू हुई कार्रवाई लगभग दोपहर 2 तक चली। इस दौरान इमाम चौक और पठान चौक में अवैध अतिक्रमण तोड़े गए। नगर परिषद के स्वास्थ्य निरीक्षण संदीप सिंह ने बताया- अतिक्रमण को लेकर 20 लोगों को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस की समय सीमा पूरी होने के बाद कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध अतिक्रमण तोड़े गए और 3 बिल्डिंग को सील किया गया। नगर परिषद अधिकारी संदीप सिंह ने बताया प्रशासन ने चिन्हित बिल्डिंगों के मालिकों को 3 दिन का नोटिस दिया था। इसके बाद ही कार्रवाई शुरू की गई है। चौमूं एसएचओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि तोड़ने की कार्रवाई नगर परिषद प्रशासन कर रहा है। पुलिस की तैनाती यहां किसी स्थिति से निपटने के लिए की गई है। वही तोड़े गए मकानों की महिलाओं ने बताया की हमको नोटिस नहीं मिला था, नहीं तो हम जवाब देते।

अतिराम बाबा गौशाला, कालाडेरा को भेंट की 19वीं चारे की गाड़ी

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। सेवा, समर्पण और गौसंरक्षण की भावना को साकार करते हुए श्याम सलोना सेवा समिति, चोमू द्वारा निरंतर चलाए जा रहे चारा संग्रह अभियान के अंतर्गत आज 19वीं चारे की गाड़ी अतिराम बाबा गौशाला, कालाडेरा को भेंट की गई। समिति का यह प्रयास न केवल गौसेवा का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक सहभागिता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। कार्यक्रम में शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा, समाजसेवी कैलाश चंद्र अग्रवाल (कालाडेरा), पूर्व सरपंच विष्णु नागर समाजसेवी बन्ना लाल यादव, कैलाश तिवारी, मिंटू साखुनिया सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के व्यवस्था प्रभारी कमल अग्रवाल एवं नरेश अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति द्वारा संचालित यह चारा संग्रह अभियान का 19वां चरण है

और आगे भी गौसेवा का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर MVS फाउंडेशन के अध्यक्ष कन्यालाल सैनी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समिति की ओर से उन्हें दवाइयों के तीन कार्टून भेंट कर सेवा कार्यों में सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में समिति के मनीष गोयल, मुकेश खुटेटा, विकास शर्मा, आशीष बुनकर, जितेंद्र झालानी, मनीष अग्रवाल, मुकेश जिंदल, पूर्व पार्षदकन्यालाल थावरिया, दिनेश अग्रवाल, मुकेश शर्मासुरेंद्र यादव, विक्रम वशिष्ठ सहित बड़ी संख्या में समिति के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई।

मुलाक़ात रही जादू भरी

मुझको शहर में तेरे बदनाम कर दिया यारों
जो कुछ भी था उसके नाम कर दिया यारों
कभी ना उसने कहा और ना हम सुना पाऐ
हमारी चुप्प ने बद गुमान कर दिया यारों
यह दुख नहीं के कभी साथ वो चलाही नहीं
मगर यह क्या मुझे गुमनाम कर दिया यारों
वह खुश मिजाज़ अखलाक बन्दा परवर था
कैसे उसको छलकता जाम कर दिया यारों
उसकी शोहरत बुलंदियों पे रक़्स करती थी
इश्क़े नाकाम ने ना काम कर दिया यारों
वह ख़राबों में खुद को शुमार करता था
छूके देखा और नेक नाम कर दिया यारों
कौन कहता है नसीबों में सिर्फ रोना है
उसने खुशियों को बेलगाम कर दिया यारों
चन्द लम्हों की मुलाक़ात रही जादू भरी
ज़िन्दगी को मेरी गुलफाम कर दिया यारों
आईना क्या नहीं कहता मुझको देख कर
उसने तारीफ़ का गुलाम कर दिया यारों

-फ़ज़लुर्रहमान

न्यायिक कर्मचारीगण की योग्यता संवर्धन हेतु ई.सी.टी. प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित ई-कमेटी के तत्वावधान में राजस्थान स्टेट ज्यूडिशियल एकेडमी के निर्देशानुसार सवाई माधोपुर न्यायक्षेत्र के न्यायिक कर्मचारीगण की योग्यता संवर्धन हेतु एक दिवसीय ईसीटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला एवं सेशन न्यायाधीश देवेन्द्र दीक्षित ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भविष्य की चुनौती का सामना करने के लिए इस तरह के प्रशिक्षण की महती आवश्यकता है। चूंकि न्याय प्रणाली धीरे-धीरे ऑनलाईन मोड की ओर बढ रही है, इस हेतु विकसित सोफ्टवेयर्स के अपडेशन के सम्बन्ध में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान

कार्यक्रम की प्रभारी अधिकारी डॉ. प्रियंका परीक, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, मास्टर ट्रेनर रेशमा खांन, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सं. 02, गंगापुर सिटी तथा सुश्री किरण प्रजापत, अति. सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट सं. 01, सवाई माधोपुर ने कर्मचारीगण को अद्यतन तकनीकों से अवगत कराया तथा कार्य के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर न्यायिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रवीण कुमार शर्मा, वरिष्ठ मुंसरिम अनिल कुमार जैन, सिस्टम ऑफिसर तुलसीराम स्वर्णकार, राजेन्द्र कुमार नामा, देवदत्त मीना, राकेश सिंह गुर्जर सहित न्यायक्षेत्र के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगर निगम जयपुर द्वारा तम्बाकू उत्पादों की बिक्री वाले विक्रेताओं के विरुद्ध की गई कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा जोन स्तर पर अभियान चलाकर शुक्रवार को डेयरी बूथ, क्रियोस्क, अन्य फुटकर विक्रेताओं के द्वारा तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई की गई। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि 2 जनवरी से सरस डेयरी बूथों, अवैध चाय की थड़ी, क्रियोस्क पर तम्बाकू उत्पाद व मादक पदार्थो बीडी, गुटका इत्यादि की बिक्री करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को 13 जोन कार्यालय द्वारा डेयरी बूथ, थडी संचालकों पर शर्तो का उल्लंघन करने के लिए लगभग

2 लाख 50 हजार रूपये जुर्माना राशि वसूलने काकार्य किया गया साथ ही डेयरी बूथ, थड़ी पर बिक्री की जाने वाले तम्बाकू उत्पादों की जब्ती की गई डेयरी बूथ संचालकों की समझाईश करते हुए अन्तिम चेतावनी दी भी गई की भविष्य में यदि शैक्षणिक संस्थानों के 100 मी. के दायरे में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री करते हुए प्राप्त होते है तो आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई अमल में लायी जावेगी। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि स्कूल में पढ़ने बाल-बालिकाओं के लिए शैक्षणिक संस्थान के आस-पास का वातावरण सुरक्षित रखने की भी अपील की गई है तथा भविष्य में भी उल्लंघन करने वालो पर कार्रवाई अभियान स्तर पर जारी रहेगा।

जीवनसाथी सामाजिक सेवा संस्थान जयपुर की धमाकेदार शुरुआत

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। जिंदगी के इस अनमोल सफर में एक अजुबा पेश आता है जो निरंतर अपने अजीबो-गरीब हरक़त से अपने चाहने वालों एवं घोर विरोधीयों को भी अचंभित कर सोचने पर मजबूर करने वाला, जिंदगी की कठिन परिस्थितियों के मकड़जाल से भी आसानी पूर्वक बाहर निकल आने वाला, हर चुनौती से पार पाने वाला, सिर्फ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर चट्टान से टकराने वाला, दूसरो से नहीं अपनों से ही धोखा खाने वाला, अज़ीज़ इंसान हैं नाम सद्दाम है। गांव कुरेडी है। चाल चरित्र में आला है। दिल का भोलाभाला है। इसलिए सबके मन को भाता है। मात कभी नहीं खाता है। अच्छे-अच्छे काम चुटकी मे निपटाता है। इसीलिए बिग बॉस कहलाता है। ने 21 जोडों का रजिस्ट्रेशन कर नये साल मे धमाकेदार शुरुआत की है। जीवनसाथी सामाजिक सेवा संस्थान का उद्देश्य है सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास है। यह संस्था ऐसा काम करेगी, हर समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए, बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा, खेल-कूद,फिट इंडिया,

खेलो राजस्थान,सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार कर हर जरूरतमंद लोगों को फायदा पहुंचाना रहेगा। इसी उद्देश्य को लेकर नव वर्ष के उपलक्ष में संस्था के सभी पदाधिकारीयों ने केक काटकर संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सद्दाम कुरेडी को धन्यवाद दिया। अन्य पदाधिकारीयों में हर्षिता चौधरी, बूंदी जिला अध्यक्ष शाहिद पलाई, इकराम पांच रोटियां, सद्दाम बालापुरा, जुनैद रानीपुर, सूरज सवाई माधोपुर, डॉक्टर ऋतुराज शर्मा, गंगा शर्मा, कैलाश महर बांरा आदि मौजूद रहे। जयपुर संभाग अध्यक्ष मो.सादिक हिंदुस्तानी और उपाध्यक्ष निजाम पठान को नई जिम्मेदारी दी गई है।

पृष्ठ एक का शेष....

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और बीजेपी के बीच.....

बंगाल की जनता को फैसला करना होगा कि चुनाव नजदीक आने पर इस तरह की चीजें करना कितना उचित है।" वहीं ममता बनर्जी मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों को लगातार खारिज करती रही हैं। वहीं 22 दिसंबर को हुमायूं कबीर ने नई पार्टी बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, "मुस्लिम समुदाय अब अपना प्रतिनिधित्व चाहता है।" उन्होंने यह भी दावा किया, "मुस्लिम वोटों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अगर उनकी आवाज़ दबाई गई, तो राजनीतिक नतीजे सामने आएंगे।" मैदुल इस्लाम हालांकि मानते हैं कि ममता का हिंदुत्व बीजेपी के हिंदुत्व से अलग है। मैदुल इस्लाम ने कहा, "2019 के लोकसभा चुनाव से हिंदू मतदाता बीजेपी को वोट दे रहे हैं। एससी, एसटी और ओबीसी जैसे कुछ समुदायों में यह 60% से अधिक हो गया है। चूंकि मुस्लिमों के पास कहीं और जाने का विकल्प नहीं है और उनका वोट कहीं और नहीं जाएगा, इसलिए ममता ने यह गणना की है कि वे वोट तो देंगे ही, इसलिए हमें हिंदू वोटों पर ध्यान करना होगा। उनकी हिंदुत्व बीजेपी की हिंदुत्व से बहुत अलग है। यह बंगाली देवी-देवताओं जैसे जगन्नाथ, महाकाली और दुर्गा के इर्द-गिर्द केंद्रित है।"

वोट बैंक और पहचान की राजनीति-

बीजेपी का आरोप है कि टीएमसी लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक की राजनीति करती रही है और अब चुनावी दबाव में हिंदू सांस्कृतिक प्रतीकों को अपना रही है। रबीन्द्र भारती यूनिवर्सिटी के राजनीति के प्रोफेसर बिस्वनाथ चक्रबर्ती ने कहा, "पश्चिम बंगाल ने धीरे-धीरे हिंदी बेल्ट की राजनीति प्राप्त कर ली है। यह मुद्दा-आधारित राजनीति से पहचान-आधारित राजनीति की ओर बढ़ गया है, जहां धर्म और जाति प्रमुख हैं।"

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

Scan Here

-संपादक

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

मदद फाउंडेशन ने सिलाई प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मदद फाउंडेशन द्वारा 25वें बैच की सिलाई प्रशिक्षण एवं मेहंदी के तीसरे और चौथे बैच के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर नववर्ष का उत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की संस्थापक डॉ. मीनाक्षी सेठी ने जानकारी दी कि कुल 50 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि मदद फाउंडेशन का उद्देश्य महिलाओं और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे सम्मानजनक आजीविका अर्जित कर सकें। पिछले तीन साल में मदद फाउंडेशन द्वारा बारह सौ महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. समरा सुल्ताना उपस्थित रहीं जो कि इमाम रब्बानी ग्रुप ऑफ स्कूल्स की उपाध्यक्ष (वाइस चेयरपर्सन) तथा पीसीसी राजस्थान की सचिव रेनू नायक ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम के अंत में नववर्ष का स्वागत करते हुए सभी ने सामूहिक रूप से खुशियाँ साझा कीं और मदद फाउंडेशन की सामाजिक पहल की सराहना की।

नवाब खानदान की मिसाल: 11 जोड़ों ने एक साथ कहा 'कुबूल है'

-घाटगेट के मोहल्ला महावतन में सादगी का जश्न

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में रविवार इंसानियत और सामाजिक सौहार्द की एक मिसाल सामने आई है। घाटगेट स्थित मोहल्ला महावतन में नवाब साहब खानदान ने ऐसी अनोखी पहल की, जिसने समाज को एक नई राह दिखाई। जहां आज के दौर में शादियां बोझ बनती जा रही हैं, वहीं नवाब साहब खानदान ने 11 जोड़ों का सामूहिक निकाह कुबूल करवा कर निकाह को आसान, सादा और सम्मानजनक बना दिया। यह सिर्फ एक विवाह समारोह नहीं था, बल्कि समाज के लिए एक संदेश था — कि निकाह दिखावे से नहीं, नेक नियत से होता है। सामूहिक विवाह सम्मेलन

में शहर के कई प्रबुद्धजन, समाजसेवी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने दूल्हा-दुल्हन को दुआओं से नवाज़ा और इस पहल को समाज सुधार की दिशा में बड़ा कदम बताया। नवाब साहब खानदान की यह पहल न सिर्फ जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत बनी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा भी है। घाट गेट की इस मिट्टी से उठी यह आवाज़ आज पूरे समाज को यह सिखा रही है — निकाह में सादगी ही सबसे बड़ी शान है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की मीटिंग आयोजित की

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जयपुर शहर सचिव नईमुद्दीन आकिल एडवोकेट ने बताया कि रविवार 4 जनवरी 2026 को झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यूनियन के सदस्यों के साथ मीटिंग आयोजित की गई । जिसमें कामरेड प्रेमजी की याद में 2 मिनट का मौन रखा गया । उसके बाद आगे की कार्रवाई की गई, मीटिंग में अमेरिका की विस्तारवादी नीतियों के विरुद्ध सोमवार 5 जनवरी 2026 को शहीद स्मारक पर विरोध प्रदर्शन के लिए आवाहन किया और झोटवाड़ा यूनिट में नवीनीकरण जमा करने, लेवी जमा करने तथा नवीन सदस्यता बनाने, और पार्टी तथा यूनिट संचालन हेतु फंड इकट्ठा करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया।

चौमूं में मस्जिद के बाहर पुलिस पर पथराव करने वालों के घर गरजे बुलडोजर

जयपुर। जयपुर जिले के चौमूं कस्बे में मस्जिद के बाहर पुलिस पर पथराव की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। चौमूं के इमाम चौक इलाके में स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। दरअसल, कुछ दिन पहले चौमूं में मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद हुआ था, जो देखते ही देखते हिंसा में बदल गया। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया था, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की और नगर परिषद ने अवैध निर्माणों की जांच तेज कर दी। प्रशासन के मुताबिक, इमाम चौक क्षेत्र में लंबे समय से सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के बाद नगर परिषद ने 19 से 20 लोगों को नोटिस जारी किए थे, जिनमें निर्धारित समय सीमा में जवाब देने और स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस की मियाद पूरी होने के बाद गुरुवार को प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की। चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखना

पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "जो गलत है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हम नगर परिषद के साथ मौके पर मौजूद हैं। नगर परिषद ने अतिक्रमण की पहचान की है और उसी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई पूरी तरह कानून के दायरे में की जा रही है और किसी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा। जयपुर पश्चिम के एडीसीपी राजेश गुप्ता ने बताया कि नगर परिषद द्वारा चिन्हित सभी अवैध निर्माणों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा, "नगर परिषद ने करीब 19-20 नोटिस जारी किए थे। जिन लोगों ने नोटिस के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया, उनके खिलाफ अब कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पहले जिन लोगों ने माहौल बिगाड़ने और पुलिस पर पथराव करने में भूमिका निभाई थी, उनके अवैध निर्माण भी इस कार्रवाई के दायरे में हैं।" कार्रवाई के दौरान इमाम चौक और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी रखी गई ताकि किसी भी तरह की अफवाह या तनाव की स्थिति से निपटा जा सके। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई किसी एक समुदाय या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि अवैध अतिक्रमण के खिलाफ है। अधिकारियों के मुताबिक, नगर परिषद क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा और जहां-जहां अवैध निर्माण पाए जाएंगे, वहां कार्रवाई की जाएगी। वहीं, कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। कुछ लोगों का कहना है कि लंबे समय से इमाम चौक क्षेत्र में अवैध कब्जे बढ़ते जा रहे थे, जिससे आम लोगों को परेशानी हो रही थी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अब सार्वजनिक रास्ते और जगहें खाली हो सकेंगी। प्रशासन ने यह भी साफ किया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस पर पथराव और सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

नाहरी का नाका की बंधा बस्ती में 'नरक' जैसा जीवन

-कचरे और बदबू से घुट रहा दम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी जयपुर के शास्त्री नगर इलाके में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। नाहरी का नाका (Nahri Ka Naka) स्थित बंधा बस्ती में लोग गंदगी, बदबू और बीमारियों के बीच जीने को मजबूर हैं, लेकिन प्रशासन की नींद नहीं टूट रही। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यहां नगर निगम और स्थानीय पार्षद की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है। बस्ती में पिछले कई सालों से सफाई व्यवस्था ठप पड़ी है। न तो यहां नियमित रूप से सफाई कर्मचारी आते हैं और न ही कचरा उठाने वाली गाड़ियां (Hopper) पहुंचती हैं।

सड़कों पर कचरा, सांस लेना दूभर-

सफाई न होने से जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं। नालियां जाम हैं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। भीषण बदबू के कारण लोगों का सांस लेना भी दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी की वजह से बस्ती में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। जनता का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो नगर निगम के अधिकारी सुध ले रहे हैं और न ही क्षेत्रीय पार्षद इस समस्या की ओर ध्यान दे रहे हैं।

अरावली क्षेत्र में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर हुई कार्रवाई
- 50 वाहन जब्त, 50 लाख से अधिक का जुर्माना किया वसूल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में अरावली पर्वतमाला क्षेत्र की पारिस्थितिकी के संरक्षण एवं अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में विगत पाँच दिनों के दौरान खनिज विभाग, जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। खनि अभियंता श्याम चौधरी ने बताया कि संयुक्त टीमों द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर अवैध खनन में संलिप्त भारी मशीनरी एवं परिवहन वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन में प्रयुक्त कुल 02 एक्सकेवेटर

मशीन, 14 डंपर तथा 34 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित कुल 50 वाहन जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुल 46 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 50 लाख 36 हजार रुपये की शास्ति राशि वसूल कर राजकोष में जमा कराई गई। इसके अतिरिक्त अवैध खनन एवं निर्गमन में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस थाना शिवदासपुरा में 01, कोटखावदा में 02, चाकसू में 03 तथा कानोता में 01, कुल 07 एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि अरावली क्षेत्र की पारिस्थितिकी को क्षति पहुँचाने वाले किसी भी प्रकार के अवैध खनन अथवा खनिजों के अवैध परिवहन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के संयुक्त एवं सघन अभियान निरंतर जारी रहेंगे, ताकि अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

5 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 10 जनवरी तक अवकाश

- 6 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 8 जनवरी तक अवकाश
- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जारी किये आदेश
-बढ़ती सर्दी एवं शीतलहर को देखते हुए राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में अवकाश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शीतलहर एवं बढ़ती हुई सर्दी के दृष्टिगत जयपुर जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में 5 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 10 जनवरी तक एवं 6 से 8वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का 8 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अवकाश के आदेश जारी किये हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जिले में शीतलहर एवं बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए यह आदेश जारी किये गए हैं। उक्त दिनांक पर अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए लागू रहेगा तथा समस्त स्टाफ के शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यालय में उपस्थिति देना सुनिश्चित करेंगें। साथ ही परीक्षाएं भी यथावत संचालित होगी। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा जयपुर को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के सहयोग से जयपुर में राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देशित किया गया है। आदेशों की अवहेलना होने की स्थिति में संबंधित राजकीय अथवा गैर राजकीय विद्यालय के विरूद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

किशनपोल विधानसभा कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वी जयंती मनाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत रत्न, युगपुरुष, श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100वीं जन्मजयंती के ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा किशनपोल विधानसभा कार्यालय पर एक भव्य अटल सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अटल जी के राष्ट्रवादी विचारों, सुशासन की अवधारणा और उनके प्रेरणादायी व्यक्तित्व को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन, कृतित्व और देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्हें सच्चे अर्थों में राष्ट्रनिर्माता बताया। वक्ताओं ने कहा कि अटल जी की नीतियाँ

आज भी देश के विकास और राजनीति में मार्गदर्शक सिद्ध हो रही हैं। कार्यक्रम में जयपुर शहर जिला उपाध्यक्ष अजय यादव, मंत्री विजय शर्मा (बंटी), भाजपा किशनपोल विधायक प्रत्याशी चन्द्र मनोहर बटवाडा, किशनपोल मंडल अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, चांदपोल मंडल अध्यक्ष कपिल गुर्जर, जौहरी बाजार मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा, किशनपोल मंडल प्रभारी मोहनलाल अग्रवाल, चांदपोल मंडल प्रभारी चिमन लाल सैनी एवं जौहरी बाजार मंडल प्रभारी कैलाश जटवाडा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन का उद्देश्य अटल जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना और उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्रसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत करना रहा।

जन भागीदारी के साथ होगा सेना दिवस परेड का दिव्य एवं भव्य आयोजन

- सेना दिवस परेड को लेकर सचिवालय में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक
-'मातृ शक्ति' को समर्पित होगी 09 जनवरी की सेना दिवस परेड

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर में 8 जनवरी से 15 जनवरी, 2026 तक सेना दिवस परेड–2026 के दिव्य, भव्य एवं सफल आयोजन के लिए जन भागीदारी सुनिश्चित होगी। शनिवार को सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में सेना दिवस परेड के सफल आयोजन को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर ए. सावंत की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समन्वय एवं समीक्षा बैठक आयोजित हुई। अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर आत्माराम सावंत ने कहा कि यह आयोजन न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण एवं ऐतिहासिक है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भारतीय सेना के शौर्य एवं गौरव को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ व्यापक संवाद किया गया है। बैठक के प्रारंभ में नवीन जैन, प्रमुख शासन सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सेना दिवस परेड के आयोजन को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत के इतिहास में यह पहली बार है जब सेना दिवस परेड आमजन के बीच आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा इस आयोजन को जन-जन तक पहुँचाने हेतु विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिक भारतीय सेना के शौर्य, अनुशासन एवं गौरव को निकट से अनुभव कर सकें। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर द्वारा दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों के संबंध में जानकारी दी गई। उन्होंने सभी शैक्षणिक संस्थानों एवं संगठनों से आग्रह किया कि वे सोमवार तक परेड देखने हेतु आने वाले प्रतिभागियों की संख्या एवं विवरण उपलब्ध कराएं, जिससे व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा सकें।

परेड के दौरान आमजन एवं आमंत्रित दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, एम्बुलेंस सेवा, पार्किंग व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट्स, पेयजल एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस, यातायात पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा समन्वित कार्य योजना के तहत व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) योगेश दाधीच ने पार्किंग स्थलों, रूट डायवर्जन एवं यातायात सुचारू रखने हेतु की गई तैयारियों से अवगत कराया। बैठक में सेना भर्ती एवं अन्य सैन्य परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों तथा स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में सेना दिवस परेड देखने हेतु प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार 09 जनवरी को आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड मातृशक्ति को समर्पित की गई है। इसके तहत अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उन्हें परेड देखने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि परेड में आने वाले सभी दर्शकों को सेना से संबंधित अनुशासन, सुरक्षा मानकों एवं आचरण संबंधी दिशा-निर्देशों की पूर्व जानकारी प्रदान की जाए। बैठक में जयपुर, अलवर, अजमेर, टोंक, सीकर, कोटपूतली, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर, कुचामन-डीडवाना जिलों के अतिरिक्त जिला कलक्टर, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, आईसीडीएस, चिकित्सा, शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारी, यातायात पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न निजी संस्थाओं एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जयपुर में रोजगार दिलवाने के बहाने जलमहल के पास बुलाकर रुपये लूट करने वाली गैंग का खुलासा

-मुख्य सरगना उदय मेहरा सहित 6 गिरफ्तार
-लूट की सम्पूर्ण राशि एक लाख रुपये व मोबाईल बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आईपीएस ने बताया कि 01.01.2026 को परिवादी परमेश पुत्र सीताराम द्वारा पुलिस थाना ब्रह्मपुरी पर रिपोर्ट पेश की कि करीब एक महीने पहले उदय मेहरा को मैने जयपुर में काम दिलवाने के लिये फोन किया था तब उसने मेरे को कहा कि में तेरे को काम दिलवा ढुंगा उसके पश्चात 27.12.2025 को मेरी उदय मेहरा से बात हुयी तो उसने मुझे काम दिलवाने के लिए जयपुर बुला लिया था। में जयपुर आकर ठहर गया था। 30.12.2025 को उदय मेहरा मुझे काम दिलवाने के बहाने शाम के समय 8 पी. एम. के लगभग जलमहल की पाल पर लेकर आ गया था। यहाँ पर आने के इनके अन्य साथीगण आ गये तथा मुझे जंगल में लेकर चले गये जहाँ पर मेरे साथ मारपीट की तथा मेरे को डराया व धमकाया और मेरे से रूपये मांगे तब मैने मेरे पिताजी से 1 लाख रूपये मेरे खाते मे डाले और इन्होने युपीआई से मेरे मोबाईल से रूपये निकाल लिये तथा मेरा मोबाईल फोन छीन

लिया।

गठित पुलिस टीम का विवरण-

उक्त वारदात का खुलासा करने के लिये सुरेन्द्र सिंह राणावत सहायक पुलिस आयुक्त आमेर जयपुर उत्तर राजेश गौतम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ब्रह्मपुरी के नेतृत्व मे इन्द्राज सिंह सहायक उप निरीक्षक, कानि उमेशचन्द न. 4876, कानि कानाराम न. 9033, कानि प्रदीप न. 9209, जतन सिंह कानि.न. 3040 साईबर एक्सपर्ट टीम से नन्छूराम कानि. 9260 की टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा व तकनीकी सहायता व मुखबीरी तंत्र का उपयोग कर अभियुक्तगण के आने व जाने का रूट चार्ट तैयार किया जाकर अभियुक्तगण का लगातार पीछा कर दस्तयाब किया गया है।

गिरफ्तारशुदा मुल्जिमान-

उदय मेहरा पुत्र रिंकु मेहरा जाति मेहरा उम्र 21 साल, आनन्द नागर पुत्र सुरेश कुमार नागर जाति खटीक उम्र 19 साल, वंश भटनागर पुत्र भगवान सहाय भटनागर जाति कायस्थ उम्र 20 साल निवासी, समीर सक्सैना उर्फ चिनु सक्सैना पुत्र सुरेश सक्सैना जाति कायस्थ उम्र 21 साल, करण सिंह सोलकी पुत्र प्रताप सिंह सोलकी उम्र 25 साल जाति राजपूत, तनिष्क सैन पुत्र सतीश सैन जाति नाई उम्र 20 साल।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

अमेरिका ईरान में तख्ता पलट कर सकता है?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकिया साकार होने लगी है। साल की शुरुआत में ही अमेरिका ने पड़ौसी देश वेनेजुएला पर बड़े हमले किए राजधानी काराकास समेत कई सैन्य ठिकानों पर अमेरिका ने बमबारी की और वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरों और उनकी पत्नी सिलिया एडेला को गिरफ्तार करके न्यूयार्क जेल में बंद कर दिया गया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अब वेनेजुएला पर अमेरिका का कब्जा हैं, हमारी सेनाएं वहां पर है। अमेरिका राष्ट्रपति काफी समय से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरों को सरेंडर होने की धमकी दे रहे थे और अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहने के लिए कह रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को भी लगातार धमकी दे रहें है। क्योंकि मुस्लिम देशों में पूरी तरह वर्चस्व कायम करने में ईरान रोड़ा बन गया है। इजराईल फिलीस्तीन युद्ध में इजराईल की जीत नहीं होना अमेरिका के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। क्योंकि अमेरिका ने इजराईल को हर संभव सहायता उपलब्ध करवायी थी और करवा रहा है। फिर भी दो वर्ष लम्बे युद्ध के बाद भी इजराईल और अमेरिका कुछ ज्यादा हासिल नही कर पाए हैं। अमेरिका और इजराईल की खाड़ी में हार मुख्य रूप से ईरान के कारण हुई है। इजराईल और अमेरिका दोनों मिलकर भी ईरान को पूरी तरह बर्बाद नहीं कर पाए थे। जबकि दोनों के बीच 12 दिन भयंकर युद्ध चला था। लेकिन माना यही जा रहा है कि अमेरिका ईरान पर फिर आक्रमण करेगा और ईरान में तख्ता पलट करेगा। क्योंकि जब तक ईरान अमेरिका को चुनौती दे रहा है तब तक अमेरिका पश्चिम एशिया में वर्चस्व कायम नही कर सकता है। इसलिए कहा जा रहा है कि अमेरिका वेनेजुएला के बाद अगला निशाना ईरान को बना सकता है। वैसे वेनेजुएला और ईरान दोनों देशो में काफी भिन्नता है। ईरान वेनेजुएला से बड़ी सैन्य शक्ति है जो इजराईल अमेरिका का काफी लम्बे समय तक मुकाबला कर सकता है। ईरान की सैन्य शक्ति की परीक्षा अमेरिका पहले ही ले चुका है। इसके अलावा विश्व की दो बड़ी शक्ति चीन और अमेरिका ईरान के साथ है। यदि ईरान पर अमेरिका ने हमला किया तो विश्व युद्ध होने की संभावना बढ़ जाएंगी। यदि युद्ध हुआ तो विश्व में परमाणु युद्ध होने की संभावना बढ़ जाएंगी जो विश्व के अस्तित्व के लिए खतरा हो सकता है। इसलिए कहा जा सकता है कि अमेरिका ईरान पर हमला मुश्किल से ही कर पाएंगा। वैसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत को भी वर्बाद करने की धमकी दी थी टेरिफ को लेकर। लेकिन ट्रम्प अच्छी तरह जानते है कि भारत कोई छोटा-मोटा देश नहीं है। भारत विश्व की चौथी सैन्य और आर्थिक शक्ति है। भारत अपने आप में स्वाभिमानी देश है। भारत को कोई भी देश झुका नहीं सकता है और नही वर्बाद कर सकता है। लेकिन यह भी सही है कि अमेरिका विश्व का सबसे शक्तिशाली देश है। अमेरिका चाहे उसी देश को वर्बाद करने की क्षमता रखता है। अमेरिका ही था जिसने जापान के दो शहरों पर परमाणु बम डालकर वर्बाद कर दिया था। इसलिए कहा जा सकता है कि अमेरिका विश्व में कुछ भी कर सकता है। उसे रोकना आसान नहीं है।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को राष्ट्र विरोधी और आतंकवाद से जोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है

भारतीय समाज में जब भी कोई प्रसिद्ध व्यक्ति किसी अंतरराष्ट्रीय निर्णय से जुड़ता है, तो वह निर्णय केवल पेशेवर दायरे तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसे राष्ट्रवाद, देशभक्ति और भावनात्मक निष्ठा के तराजू पर तौला जाने लगता है। हाल ही में अभिनेता और टीम मालिक शाहरुख़ ख़ान द्वारा अपनी टीम में एक बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल करने के फैसले ने इसी तरह की बहस को जन्म दिया है। कुछ हिन्दू हिंदू संगठनों इस निर्णय को "राष्ट्रविरोधी" "आतंकवाद से जोड़कर" प्रस्तुत किया जाना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह हमारे सार्वजनिक विमर्श की गिरती गुणवत्ता को भी दर्शाता है।

खेल का मूल स्वभाव: सीमाओं से परे प्रतिस्पर्धा

खेल की दुनिया का सबसे बड़ा गुण यही है कि वह राष्ट्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर प्रतिभा को प्राथमिकता देती है। चाहे ओलंपिक खेल हों, फुटबॉल लीग हों या क्रिकेट टूर्नामेंट—अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी कोई नई या असामान्य बात नहीं है। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) से लेकर अन्य वैश्विक लीगों तक, विदेशी खिलाड़ियों ने न केवल खेल के स्तर को ऊँचा किया है, बल्कि स्थानीय खिलाड़ियों को सीखने और निखरने का अवसर भी दिया है। ऐसे में यदि शाहरुख़ ख़ान की टीम ने नियमों के अंतर्गत किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को चुना है, तो यह निर्णय खेल कौशल, रणनीति और टीम की ज़रूरतों के आधार पर देखा जाना चाहिए—न कि खिलाड़ी की राष्ट्रीयता के आधार पर।

शाहरुख़ ख़ान: एक व्यक्ति या प्रतीक?

शाहरुख़ ख़ान केवल एक अभिनेता नहीं हैं; वे आज के भारत में एक सांस्कृतिक प्रतीक भी हैं। शायद यही कारण है कि उनके हर फैसले को सामान्य व्यक्ति की तुलना में कहीं अधिक कठोर नज़र से देखा जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी व्यक्ति की लोकप्रियता उसे निष्पक्षता के अधिकार से वंचित कर देती है? जब किसी टीम का मालिक किसी खिलाड़ी को चुनता है, तो वह निर्णय व्यक्तिगत भावना से नहीं, बल्कि पेशेवर प्रबंधन और कानूनी ढांचे के तहत लिया जाता है। ऐसे में शाहरुख़ ख़ान को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाना, और उन्हें "आतंकवादी" जैसे शब्दों से जोड़ना, न केवल तथ्यहीन है बल्कि नैतिक रूप से भी आपत्तिजनक है।

बांग्लादेश और भारत: जटिल लेकिन वास्तविक संबंध

भारत और बांग्लादेश के संबंध ऐतिहासिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से जटिल रहे हैं। लेकिन इन जटिलताओं के बावजूद दोनों देशों के बीच खेल, व्यापार, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आदान-प्रदान होता रहा है। भारतीय खिलाड़ी बांग्लादेश में खेलते हैं, बांग्लादेशी खिलाड़ी भारत में—यह एक सामान्य प्रक्रिया है। किसी एक खिलाड़ी की राष्ट्रीयता को पूरे देश की राजनीति या सुरक्षा चिंताओं से जोड़ देना अतिसरलीकरण (oversimplification) है। आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दों को इस तरह के मामलों से जोड़ना न केवल विषय की गंभीरता को कम करता है, बल्कि वास्तविक समस्याओं से ध्यान भी भटकाता है।

चयनात्मक राष्ट्रवाद और दोहरे मापदंड

इस पूरे विवाद का सबसे चिंताजनक पहलू है चयनात्मक आक्रोश। एक ओर खेल टीम में विदेशी खिलाड़ी के चयन पर तीखा विरोध, दूसरी ओर व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और कूटनीति के क्षेत्र में पड़ोसी देशों से सहयोग—इन दोनों पर प्रतिक्रिया का अंतर साफ़ दिखाई देता है। यदि विदेशी नागरिकता ही विरोध का आधार है, तो फिर सवाल उठता है कि: अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों पर उतना शोर क्यों नहीं? विदेशी कंपनियों के निवेश पर वही नाराज़गी क्यों नहीं? ऊर्जा, दवाइयों या तकनीक के आयात पर राष्ट्रवाद क्यों नहीं जागता? इससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या विदेशी होने में नहीं, बल्कि किसे निशाना बनाना आसान है—इसमें है।

सोशल मीडिया और ट्रोल संस्कृति की भूमिका

आज के दौर में सोशल मीडिया किसी भी मुद्दे को पल भर में उग्र बना सकता है। अधूरी जानकारी, भड़काऊ भाषा और भावनात्मक नारों के ज़रिये जटिल विषयों को "अच्छा बनाम बुरा" के सरल फ्रेम में ढाल दिया जाता है। शाहरुख़ ख़ान के मामले में भी यही देखने को मिला। ट्रोल संस्कृति का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वह तर्क की जगह अपशब्द और संवाद की जगह आरोप को बढ़ावा देती है। इसका परिणाम यह होता है कि वास्तविक सवाल—जैसे खेल की गुणवत्ता, टीम की रणनीति या खिलाड़ी की प्रतिभा—पूरी तरह हाशिये पर चले जाते हैं।

लोकतंत्र में असहमति और जिम्मेदारी

लोकतांत्रिक समाज में किसी भी निर्णय से असहमति होना स्वाभाविक है। किसी को लग सकता है कि किसी टीम को स्थानीय खिलाड़ियों को अधिक मौका देना चाहिए—यह एक वैध बहस हो सकती है। लेकिन असहमति और बदनामी के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। किसी कलाकार या खिलाड़ी को देशद्रोही या आतंकवादी कह देना न असहमति है, न आलोचना—यह सीधा-सीधा चरित्र हनन है। ऐसे आरोप न केवल व्यक्ति को नुकसान पहुँचाते हैं, बल्कि समाज में अविश्वास और विभाजन को भी बढ़ाते हैं।

खेल को खेल रहने देना क्यों ज़रूरी है

खेल का उद्देश्य लोगों को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। जब हम खेल के हर फैसले को राजनीतिक या धार्मिक चश्मे से देखने लगते हैं, तो हम स्वयं उस खेल की आत्मा को नुकसान पहुँचाते हैं। शाहरुख़ ख़ान द्वारा बांग्लादेशी खिलाड़ी का चयन इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए—एक पेशेवर, नियमसम्मत और खेल-आधारित निर्णय के रूप में। शाहरुख़ ख़ान की टीम में बांग्लादेशी खिलाड़ी का चयन कोई असाधारण या राष्ट्रविरोधी घटना नहीं है। यह आधुनिक खेल व्यवस्था का एक सामान्य हिस्सा है, जहाँ प्रतिभा, प्रदर्शन और रणनीति को प्राथमिकता दी जाती है। इस निर्णय को आतंकवाद या देशभक्ति जैसे गंभीर मुद्दों से जोड़ना न केवल अनुचित है, बल्कि बौद्धिक ईमानदारी के भी खिलाफ़ है। आज ज़रूरत इस बात की है कि हम: व्यक्ति और नीति में अंतर समझें भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय तथ्यपरक विश्लेषण करें और राष्ट्रवाद को नफ़रत का नहीं, संवैधानिक मूल्यों और विवेक का आधार बनाएं तभी हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ सकते हैं जहाँ बहस हो, लेकिन सम्मान के साथ; असहमति हो, लेकिन समझदारी के साथ। इस प्रकरण में सत्ता के शोर्ष नेताओं की चुप्पी चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं अन्य शीर्ष अधिकारी का विषय पर मूक बना रहना देश के लिए अच्छे संकेत नहीं है।

घर: दुनिया में जन्नत का नमूना

इस्लाम चाहता है कि एक मुसलमान का घर सुकून, रहमत और मुहब्बत का गहवारा हो, जहाँ के रहने वाले दुनिया की परेशानियों से आकर पनाह और राहत महसूस करें। अल्लाह तआला ने क़ुरान में मियाँ-बीवी के रिश्ते का मक़सद ही सुकून बताया है। इस सुकून भरे माहौल को बनाने के लिए इस्लामी तालीमात हमारी बेहतरीन रहनुमाई करती हैं। सबसे पहले घर को अल्लाह के ज़िक्र से आबाद रखा जाए। जिस घर में क़ुरान की तिलावत होती है, नमाज़ पढ़ी जाती है और अल्लाह को याद किया जाता है, वहाँ फ़रिश्ते आते हैं और शैतान दूर भागता है। नबी-ए-करीम (स.अ.) ने फ़रमाया, "अपने घरों को क़ब्रिस्तान न बनाओ।" यानी उनमें इबादत करते रहो। दूसरा, घर के अफ़राद (सदस्यों) के बीच आपसी ताल्लुक़ात मुहब्बत, रहमदिली और माफ़ करने पर □□□□ हों। मियाँ-बीवी एक-दूसरे के हुक़ूक़ अदा करें, एक-दूसरे की ख़ामियों को नज़रअंदाज़ करें और ख़ूबियों की सराहना करें। वालिदैन औलाद पर शफ़क़त (स्नेह) करें और औलाद वालिदैन का अदब और एहतेराम करे। लड़ाई-झगड़े, ग़ीबत और एक-दूसरे पर तोहमत लगाने से घर का सुकून बर्बाद हो जाता है। सलाम को आम करना, एक-दूसरे को छोटे-छोटे हदिया देना और एक साथ बैठकर खाना खाना भी आपसी मुहब्बत को बढ़ाता है। इस्लामी उसूलों पर अमल करके ही हम अपने घरों को दुनिया में जन्नत का एक नमूना बना सकते हैं।

हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया र.अ. "मेहबूब-ए-इलाही"

हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया र.अ. के पीरो मुर्शीद हज़रत बाबा फरीदुद्दीन गज शकर र.अ. थे हज़रत निज़ामुद्दीन हम वक्त अपने पीरो मुर्शीद की खिज़मत में रहा करते थे । आपके पीरो मुर्शीद ने जब हज़रत निजामुद्दीन को इश्क हक़ीक़ी, इल्म मारिफ़त और ओसाफ इलाहिया से पूरी तरह वाकिफ करा दिया और मुरीदे कामिल बना दिया तो आप बाबा फरीद ने हज़रत निज़ामुद्दीन से कहा कि निज़ामुद्दीन तुम मुहिब बनना चाहते हो या मेहबूब बनना चाहते हो । हज़रत निज़ामुद्दीन कुछ देर खामोश रहे, फिर बोले कि इस बारे में कि मैं क्या बोलूं, मैं अपनी वालिदा साहिबा से भी मशवरा करना चाहता हूं जो वह कहेंगे मैं उसको बखूबी कबूल कर लूंगा । चुनांचे आपने पीरो मुर्शीद से इज़ाज़त लेकर वालिदा मोहतरमा से मिलने के लिए रवाना हो गए । रास्ते में आपकी नज़र एक मज़जूब शख्स की तरफ पड़ी । वह मज़जूब बोसीदा और फटे कपड़ों में और बिखरे बालों में परेशां हाल रास्ते के किनारे पर बैठा हुआ था । हज़रत निज़ामुद्दीन ने उस मज़जूब को सलाम किया उसने जवाब दिया । लेकिन उसने फौरन ही कहा कि मुहिब बनोगे या मेहबूब, क्या बनना चाहते हो ? हज़रत निज़ामुद्दीन ने एकदम सकते में आ गए कि यह बात तो मेरे पीरो मुर्शिद ने कही थी इस मज़जूब को कैसे मालूम हो गई

? मज़जूब ने कहा कि कहां जा रहे हो ? आपने जवाब दिया कि मैं अपनी वालिदा के पास जा रहा हूं । मज़जूब ने कहा ठीक है जो तुम्हारी वालिदा कहें वही बन जाना । हज़रत निज़ामुद्दीन सलाम करके अपनी वालिदा के पास जाने के लिए रवाना हो गए । जब आप अपनी वालिदा के पास पहुंचे तो आपने अपने पीर बाबा फरीद के सवाल कि "मेहबूब बनोगे या मुहिब" बनना पसंद करोगे का जिक्र किया । वालिदा साहिब भी सोच में पड़ गई कि क्या जवाब दें ? इसी दौरान हज़रत निज़ामुद्दीन ने रास्ते में मिले उसे मज़जूब का भी कि रास्ते में मुझे एक मज़जूब शख्स मिले थे और उन्होंने मुझसे यही सवाल किया था कि "मुहिब बनना पसंद करोगे या मेहबूब" । मगर मेरी समझ में यह नहीं आया कि मेरे और बाबा फरीद के दरमियान हुई इस बात का मज़जूब शख्स को कैसे पता चला ? आपकी वालिदा ने इस बात पर गौर करने के बाद हज़रत निज़ामुद्दीन से कहा कि बेटा तुम वापस जाओ और जो वोह मज़जूब कहें वही बनना कबूल कर लेना । वालिदा साहिबा की कदम बोसी और उनकी दुआएं लेकर आप वापस रवाना हो गए । जब रास्ते में उस मज़जूब शख्स की जगह पर पहुंचे तो वहां उनको ना पाया आपने आस-पास के लोगों से मालूम किया कि यहां एक मज़जूब बैठे रहते थे वह कहां चले गए क्या उनका पता मालूम हो सकता है मुझे, उनसे जरुरी मिलना है । आस-पास वालों ने बताया कि उनका इंतकाल हो गया और लोग उनको कूड़े के ढेर पर फैंक आए हैं जहां उनकी लाश पड़ी हुई है । आप उस कूड़े के ढेर के पास पहुंचे और और शिकायती अंदाज में कहा हज़रत मेरी वालिदा ने कहा है कि आप जो कहें वो ही बनना मंजूर कर लेना । लेकिन आपने तो मेरी वापसी का भी इंतजार नहीं किया, अब मैं क्या बनूँ ? आपने यह कहा ही था कि एक आवाज सुनाई थी कि "मुहिब मत बनना अगर मुहिब बनोगे तो देख लो मेरा जैसा हाल होगा । फ़ौत होने पर गौर कफन भी नसीब नहीं होगा । इसलिए मेहबूब बनना पसंद करना, अगर मेहबूब बनोगे तो लोग तुम्हारी इज़्ज़तो कदर करेंगे, शोहरत पाओगे लोग जोक दर जोक तुम्हारे पास आएंगे । ज़िंदगी में तुम्हारे पास हाज़तमंदों का आना-जाना लगा रहेगा और फ़ौत के बाद भी तुम्हारे मज़ार पर मेले लगा करेंगे"।

अल गरज़ आप अपने बाबा फरीद के पास गए और कहा कि हज़रत में मेहबूब बनना पसंद करूंगा । इस तरह आप "मेहबूब इलाही" कहलाए। दिल्ली बस्ती निज़ामुद्दीन इस बात की गवाह है जहां आपका मज़ारे अक़दस है यहां हर वक़्त मेले जैसे समाँ रहता है, लोगों के हुकुम से आपका मज़ारे अक़दस भरा रहता है । यही अल्लाह के मेहबूब की करामात है । अल्लाह तआला हम सबको आपकी तालीमात पर अमल करने और चलने की तौफीक अता फरमाए । आमीन ।

हबीबुल्लाह एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

मौलाना मोहम्मद अली जौहर:

कलम, क़ुर्बानी और क़ौमी एकता की ज़िंदा मिसाल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में मौलाना मोहम्मद अली जौहर का नाम ऐसे सपूतों में शुमार है, जिन्होंने अपनी ज़िंदगी की हर सांस मुल्क की आज़ादी और क़ौमी एकता के नाम कर दी। वे सिर्फ़ एक धार्मिक नेता नहीं थे, बल्कि एक जांबाज़ पत्रकार, बेबाक वक्ता, दूरदर्शी राजनेता और अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ डटकर खड़े होने वाले आज़ादी के सिपाही थे। उनका जीवन इस बात की मिसाल है कि जब इंसान के दिल में मुल्क की मोहब्बत और ज़ुल्म के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाने का जज़्बा हो, तो वह इतिहास रच देता है।

शुरुआती ज़िंदगी और तालीम

मौलाना मोहम्मद अली जौहर का जन्म 10 दिसंबर 1878 को उत्तर प्रदेश के रामपुर रियासत में हुआ। उनके पिता का नाम अब्दुल अली ख़ान था, जिनका इंतक़ाल बचपन में ही हो गया। इसके बाद उनकी परवरिश उनकी वालिदा आबादी बेगम ने की, जो एक बहादुर, समझदार और दूरदर्शी महिला थीं। आबादी बेगम ने अपने बेटों—मोहम्मद अली और शौकत अली को बेहतरीन तालीम दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने अलीगढ़ मुस्लिम कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा हासिल की। वहां रहकर भी उनके दिल में हिंदुस्तान और उसकी आज़ादी का ख्याल हमेशा ज़िंदा रहा। अंग्रेज़ी तालीम पाने के बावजूद वे अंग्रेज़ी हुकूमत की नीतियों के कट्टर आलोचक बन गए।

पत्रकारिता: कलम को बनाया हथियार

भारत लौटने के बाद मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने पत्रकारिता को अपना हथियार बनाया। उन्होंने अंग्रेज़ी अख़बार 'The Comrade' और उर्दू अख़बार 'हमदर्द' की शुरुआत की। इन अख़बारों के ज़रिए उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत की ज़्यादतियों, भारत में हो रहे शोषण और मुसलमानों व हिंदुओं की साझा लड़ाई को बेबाकी से सामने रखा। उनकी कलम में आग थी और शब्दों में सच्चाई। यही वजह थी कि अंग्रेज़ सरकार उनके लेखों से घबरा जाती थी। कई बार उनके अख़बारों पर पाबंदी लगाई गई, उन्हें जेल भेजा गया, लेकिन उन्होंने कभी सच

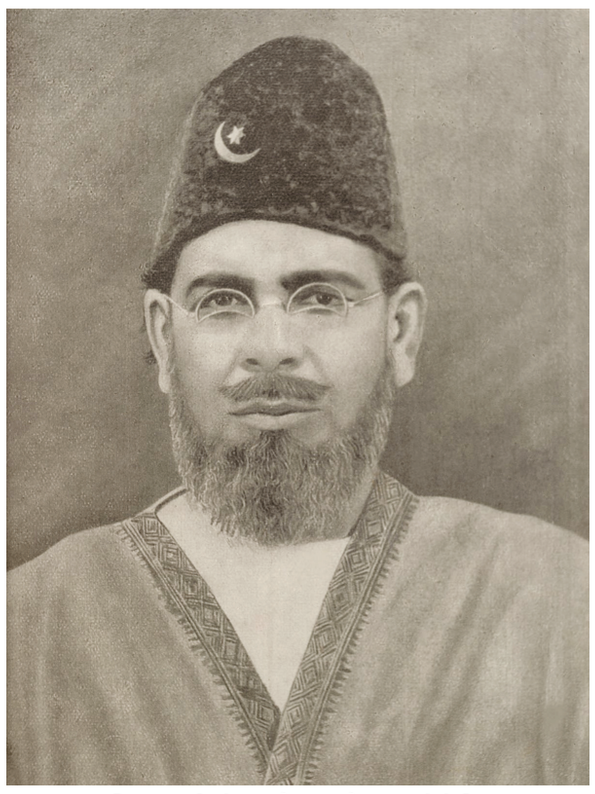

लिखना नहीं छोड़ा। मौलाना जौहर मानते थे कि अगर तलवार से आज़ादी नहीं मिल सकती, तो कलम ज़रूर ज़ुल्म की नींव हिला सकती है।

खिलाफ़त आंदोलन के रहनुमा

प्रथम विश्व युद्ध के बाद तुर्की के खलीफ़ा की हैसियत को कमज़ोर करने की ब्रिटिश साज़िश के ख़िलाफ़ भारत में खिलाफ़त आंदोलन शुरू हुआ। मौलाना मोहम्मद अली जौहर इस आंदोलन के सबसे बड़े रहनुमा बने। उनके साथ उनके भाई मौलाना शौकत अली भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। ख़िलाफ़त आंदोलन सिर्फ़ मुसलमानों का आंदोलन नहीं था, बल्कि यह अंग्रेज़ी साम्राज्यवाद के ख़िलाफ़ एक बड़ी लड़ाई बन गया। महात्मा गांधी ने भी इस आंदोलन का समर्थन किया, जिससे हिंदू-मुस्लिम एकता को नई ताक़त मिली। मौलाना जौहर का मानना था कि जब तक हिंदू और मुसलमान मिलकर नहीं लड़ेंगे, तब तक आज़ादी एक सपना ही बनी रहेगी।

जेल, क़ुर्बानी और अडिग हौसला

मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने अपनी ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा जेलों में बिताया। उन्हें कई बार गिरफ़्तार किया गया, कठोर यातनाएं दी गईं, लेकिन उनका हौसला कभी टूटा नहीं। वे कहते थे— "गुलामी में जीने से बेहतर है कि आज़ादी के लिए मर जाना।" जेल की दीवारें भी उनके जज़्बे को क़ैद नहीं कर सकीं। वहां भी वे लिखते रहे, सोचते रहे और मुल्क के लिए दुआ करते रहे। उनकी सेहत जेल में काफ़ी खराब हो गई, लेकिन उन्होंने कभी अंग्रेज़ों से माफ़ी नहीं मांगी।

गोलमेज सम्मेलन और आख़िरी इच्छा

1930 में मौलाना मोहम्मद अली जौहर गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने लंदन गए। वहां उन्होंने अंग्रेज़ हुकूमत के सामने भारत की आज़ादी की ज़ोरदार मांग रखी। उन्होंने साफ़ कहा कि भारत को आधी-अधूरी आज़ादी नहीं, बल्कि मुकम्मल स्वतंत्रता चाहिए। लंदन में ही उनकी सेहत बेहद बिगड़ गई और 4 जनवरी 1931 को उनका इंतक़ाल हो गया। उनकी आख़िरी इच्छा थी कि अगर हिंदुस्तान आज़ाद न हो, तो उन्हें ग़ुलाम भारत की ज़मीन में दफ़न न किया जाए। उनकी इस इच्छा का सम्मान करते हुए उन्हें यरुशलम (बैतेल मुक़द्दस) में दफ़न किया गया।

विरासत और आज के दौर में अहमियत

मौलाना मोहम्मद अली जौहर की ज़िंदगी हमें सिखाती है कि मज़हब से ऊपर उठकर मुल्क के बारे में सोचना ही सच्ची देशभक्ति है। वे हिंदू-मुस्लिम एकता के सच्चे पैरोकार थे। आज जब समाज में नफ़रत और बंटवारे की बातें होती हैं, तब मौलाना जौहर की सोच और संघर्ष और भी ज़्यादा मायने रखता है। उन्होंने साबित किया कि आज़ादी सिर्फ़ तलवार से नहीं, बल्कि सोच, कलम और क़ुर्बानी से भी हासिल की जाती है। उनका नाम भारतीय इतिहास में हमेशा एक ऐसे सपूत के रूप में ज़िंदा रहेगा, जिसने अपनी पूरी ज़िंदगी मुल्क के लिए कुर्बान कर दी। मौलाना मोहम्मद अली जौहर सिर्फ़ एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि एक विचार थे—आज़ादी का विचार, इंसाफ़ का विचार और एकता का विचार। उनकी ज़िंदगी हर उस इंसान के लिए प्रेरणा है, जो सच, इंसाफ़ और देश की भलाई के लिए खड़ा होना चाहता है। हिंदुस्तान की आज़ादी की कहानी उनके ज़िक्र के बिना अधूरी है।

सीरत-उन-नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की समकालीन प्रासंगिकता

हर मुसलमान के दिल में पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के जीवन और उनके चरित्र के प्रति गहरी श्रद्धा निवास करती है। सीरत-उन-नबी के रूप में जाना जाने वाला यह विषय, केवल एक ऐतिहासिक जीवनी या प्रेरक वृत्तांतों का संग्रह मात्र नहीं है; यह एक मुसलमान के जीवन के लिए मार्गदर्शन का एक समृद्ध स्रोत है, जो दर्शाता है कि ईश्वरीय रहस्योद्घाटन को कैसे समझा और लागू किया जा सकता है। सीरत का अध्ययन और समझ इस्लाम की शिक्षाओं से जुड़ने का एक तरीका है, क्योंकि कुरान पैगंबर साहब को एक "उत्कृष्ट उदाहरण" (उस्वा-ए-हसना) के रूप में संदर्भित करता है। उनका जीवन उन शिक्षाओं की एक ताने-बाने के रूप में कार्य करता है जो इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार जीवन जीने के तरीके को स्पष्ट करती हैं। सीरत का महत्व इसके व्यावहारिक उदाहरणों और व्यापक प्रासंगिकता में निहित है। एक न्यायाधीश के रूप में, विवादों में पैगम्बर साहब के निर्णयों का अध्ययन निष्पक्षता के आदर्श के रूप में किया जाता है। सैन्य भूमिकाओं में कार्यरत लोगों के लिए, गैर-लड़ाकों को नुकसान पहुँचाने से बचने के लिए उनकी रणनीतियाँ और स्पष्ट निर्देश नैतिक मार्गदर्शन के रूप में संदर्भित हैं। उनका जीवन दर्शाता है कि कैसे आस्था को सांसारिक मामलों में समाहित किया जा सकता है। इस प्रकार सीरत कुरान को प्रकाशित करने में मदद करती है, जिससे इसकी शिक्षाएँ दैनिक जीवन में आसान हो जाती हैं। पैगंबर मोहम्मद साहब के जीवन के सबसे गहन पहलुओं में से एक न्याय (अदल) पर उनका निरंतर ज़ोर है। एक न्यायाधीश और नेता के रूप में उनका आचरण, सामाजिक स्थिति, कबीलाई संबद्धता या धार्मिक विश्वास की परवाह किए बिना, निष्पक्षता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीरत में कई घटनाएँ इस निष्पक्षता को उजागर करती हैं। एक प्रसिद्ध वृत्तांत में एक सम्मानित कबीले की महिला का वर्णन है जिसने एक अपराध किया था, और लोगों ने उसकी स्थिति के कारण हस्तक्षेप करने की कोशिश की। पैगंबर मोहम्मद साहब ने अपनी नाराज़गी व्यक्त की और इस बात पर ज़ोर दिया कि न्याय निष्पक्ष रहना चाहिए, चाहे वह किसी भी जाति या वंश का हो। उन्होंने कानून के शासन पर आधारित एक समाज की स्थापना की, यह शिक्षा देते हुए कि पीड़ितों की मदद करना एक कर्तव्य है। सीरत लैंगिक संबंधों पर भी मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जो इस्लाम-पूर्व अरब के उन मानदंडों को चुनौती देती है, जहाँ महिलाओं को अक्सर हाशिए पर रखा जाता था। पैगंबर मोहम्मद साहब का जीवन महिलाओं की गरिमा और अधिकारों को स्वीकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब का जीवन मुसलमानों और गैर-मुसलमानों दोनों के प्रति गहरी करुणा और सहिष्णुता से भी चिह्नित है। उन्हें "संसारों पर दया" (रहमतुल-लिल-आलमीन) के रूप में वर्णित किया गया है, उन्होंने असाधारण क्षमाशीलता का प्रदर्शन किया, खासकर मक्का की विजय के दौरान, जब उन्होंने उन लोगों को क्षमा कर दिया जिन्होंने वर्षों तक उन्हें सताया था। मक्का से मदीना प्रवास करते समय, उन्होंने मक्का के प्रति दुःख और स्नेह व्यक्त किया और इसे अपनी सबसे प्रिय भूमि बताया। विद्वान इसे अपनी मातृभूमि के प्रति स्वाभाविक, आस्था-संगत प्रेम की पुष्टि के रूप में व्याख्या करते हैं। यह भावना विश्वासियों को देशभक्त नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित करती है जो अपने राष्ट्र की प्रगति और कल्याण में योगदान देते हैं। इस प्रकार, पैगंबर मोहम्मद साहब का जीवन आज के मुसलमानों के लिए, खासकर भारत जैसे विविध और जटिल समाज में, गहन शिक्षाएँ प्रदान करता है। दृढ़ न्याय और महिलाओं की गरिमा की मान्यता से लेकर करुणा, सहिष्णुता और अपनी भूमि के प्रति सच्चे प्रेम तक, सीरत स्थायी मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह आधुनिक चुनौतियों का ईमानदारी और उद्देश्यपूर्ण ढंग से सामना करने के लिए एक शाश्वत रूपरेखा के रूप में कार्य करती है। इन शिक्षाओं को आत्मसात करके, आस्तिक अपने धर्म के मूल मूल्यों को अपनाने का प्रयास कर सकते हैं और सद्भाव, निष्पक्षता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित समुदाय के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 4009 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने 4 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 दिसंबर से शुरू होगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 21 जनवरी तय की गई है। रिजल्ट 15 मई 2026 को जारी किया गया है।

आवेदन शुरू :
20 दिसम्बर से 21 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
बीटेक, बीई, डिप्लोमा, आईटीआई की डिग्री, 12वीं पास, जीएनएम, एमएससी, एमटेक, एमसीए, पीजी डिप्लोमा या समकक्ष डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

फीस :
जनरल, अन्य राज्य के उम्मीदवार : 1200 रुपए
ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी, पीएच : 600 रुपए

सैलरी :
18,000 - 42,700 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

एग्जाम पैटर्न :
जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mpwz.co.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट सेक्शन पर क्लिक करें।
ऑनलाइन अप्लाई के लिंक पर क्लिक करें।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

राजस्थान में प्रोटेक्शन ऑफिसर की भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान के महिला एंव बाल विकास विभाग में प्रोटेक्शन ऑफिसर की भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए 24 दिसंबर 2025 से आवेदन शुरू हो चुके हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
24 दिसंबर से 22 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
लॉ ग्रेजुएट (LLB) या सोशल वर्क में मास्टर्स (MSW) की डिग्री।
उम्मीदवारों को देवनागरी भाषा और राजस्थानी संस्कृति का नॉलेज होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम
मेरिट लिस्ट

फीस :
सामान्य (अनारक्षित)/पिछड़ा वर्ग के क्रीमीलेयर/अति पिछड़ा वर्ग के क्रीमीलेयर : 600 रुपए
आरक्षित वर्ग एससी/एसटी/पिछड़ा वर्ग नॉन क्रीमीलेयर/अति पिछड़ा वर्ग-नॉन क्रीमी लेयर, ईडब्ल्यूएस : 400 रुपए

सैलरी :
लेवल - 11 के अनुसार
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

एग्जाम पैटर्न :
जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन :
सबसे पहले sso.rajasthan.gov.in पर OTR करें।
ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड के जरिए लॉगइन करें।
मांगी गई डिटेल्स भरकर फॉर्म सब्मिट करें।

SSC ने स्टेनोग्राफर के 326 पदों पर निकाली भर्ती

कर्मचारी चयन आयोग (SSC) ने सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, चुनाव आयोग, आर्म्ड फोर्सेज हेड क्वार्टर, सेंट्रल विजिलेंस कमीशन समेत 6 बड़े विभागों को स्टेनोग्राफर की भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की हार्ड कॉपी जमा करने की आखिरी तारीख 27 जनवरी 2026 तय की गई है।

आवेदन शुरू :
22 दिसंबर से 11 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में 3 से 6 साल तक स्टेनोग्राफर डी के तौर पर एक्सपीरियंस।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 35 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
सरकारी नियमों के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम
स्किल टेस्ट
इंटरव्यू

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
10वीं की मार्कशीट
उम्मीदवार का आधार कार्ड
जाति प्रमाण पत्र
मूल निवास प्रमाण पत्र
मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी
पासपोर्ट साइज फोटो पर सिग्नेचर

ऐसे करें आवेदन :
कर्मचारी चयन आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।
वन-टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) पूरा करें।
अपने क्रेडेंशियल्स का यूज करके लॉग इन करें।
कॉन्स्टेबल (जीडी) परीक्षा 2026 आवेदन लिंक खोलें।
अपना स्कैन किया हुआ सिग्नेचर अपलोड करें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

BSF में 549 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) की ओर से स्पोर्ट्स कोटा के तहत कॉन्स्टेबल (जीडी) के पदों पर भर्ती निकली है।बीएसएफ की ओर से एप्लिकेशन विंडो 27 दिसंबर से एक्टिव की जाएगी। बीएसएफ कॉन्स्टेबल जीडी स्पोर्ट्स कोटा भर्ती के अंतर्गत 30 से अधिक खेलों को शामिल किया गया है। इनमें एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, कुश्ती, हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, वॉलीबॉल, शूटिंग, तैराकी, योग समेत कई अन्य खेल शामिल हैं।

आवेदन शुरू:
27 दिसम्बर से 15 जनवरी 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
उम्मीदवारों ने इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लिया हो।

शारीरिक योग्यता :
पुरुष : न्यूनतम लंबाई 170 सेमी
सीना बिना फुलाए न्यूनतम 80 सेमी और फुलाकर 85 सेमी होना चाहिए।
महिला : अधिकतम लंबाई 157 सेमी

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 23 साल
आयु की गणना 1 अगस्त 2025 को ध्यान में रखकर की जाएगी।
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

सैलरी :
21,700-69,100 रुपए प्रतिमाह
केंद्रीय सरकार द्वारा दिए जाने वाले अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

सिलेक्शन प्रोसेस :
उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करके डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जाएगा।
उसके बाद फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (PST)
डिटेल्ड मेडिकल एग्जामिनेशन (DME) होगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाएं।
रजिस्ट्रेशन करके पासवर्ड के माध्यम से लॉग इन करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करके डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में 311 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड ने 311 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 30 दिसंबर 2025 से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू:
30 दिसम्बर से 29 जनवरी 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर :
हिंदी या अंग्रेजी में पीजी डिग्री, जिसमें ग्रेजुएट लेवल पर हिंदी और अंग्रेजी अनिवार्य विषय हो।
स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर :
श्रम कानूनों में विशेषज्ञता के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री और डिप्लोमा या LLB की डिग्री।
चीफ लॉ असिस्टेंट :
लॉ की डिग्री और बार में वकील के रूप में कम से कम 3 साल का वर्क एक्सपीरियंस।
लैब असिस्टेंट ग्रेड III (केमिस्ट & मेटलर्जिस्ट) :
साइंस सब्जेक्ट (फिजिक्स और केमेस्ट्री) के साथ 12वीं पास।
प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।
सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर :
जनसंपर्क, विज्ञापन, पत्रकारिता या जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा, साथ ही 2 साल का अनुभव।
पब्लिक प्रॉसिक्यूटर :
जनसंपर्क, विज्ञापन, पत्रकारिता या जनसंचार में डिग्री या डिप्लोमा।
साइंटिफिक असिस्टेंट/ ट्रेनिंग :
साइकोलॉजी में PG डिग्री के साथ एक साल का एक्सपीरियंस।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी/एसटी : 250 रुपए
रिफंड फीस : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी :
जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
चीफ लॉ असिस्टेंट : 44,900 रुपए प्रतिमाह
लैब असिस्टेंट ग्रेड III (केमिस्ट & मेटलर्जिस्ट) : 19,900 रुपए प्रतिमाह
सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर : 35,400 रुपए प्रतिमाह
पब्लिक प्रॉसिक्यूटर : 44,900 रुपए प्रतिमाह
साइंटिफिक असिस्टेंट/ ट्रेनिंग : 35,400 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।

भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर में ग्रेड ए ऑफिसर की भर्ती

भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (BARC) ने साइंटिफिक ऑफिसर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू किए हैं। उम्मीदवार बार्क की ऑफिशियल वेबसाइट barc.gov.in के जरिए अप्लाई कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए करेक्शन विंडो 7 से 14 फरवरी 2026 तक खुली रहेगी। एडमिट कार्ड 25 फरवरी को जारी किए जाएंगे। वहीं ऑनलाइन एग्जाम का आयोजन 14 और 15 मार्च को किया जाएगा। उम्मीदवार 26 मार्च से 2 अप्रैल 2026 तक गेट- 2026 स्कोर कार्ड अपलोड कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
22 दिसंबर से 21 जनवरी 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ बीई, बीटेक, बीएससी, एमएससी या इंटीग्रेटेड एमएससी की डिग्री होना चाहिए।

एज लिमिट :
सामान्य : अधिकतम 26 वर्ष
ओबीसी : अधिकतम 29 वर्ष
एससी/एसटी : 31 वर्ष
आयु की गणना 1 अगस्त 2026 के आधार पर की जाएगी।

स्टाइपेंड :
ट्रेनिंग के दौरान 74,000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड दिया जाएगा।

फीस:
जनरल, ओबीसी (पुरुष) : 500 रुपए
अन्य: नि:शुल्क

सैलरी :
ट्रेनिंग पूरी होने के बाद लेवल-10 पे मैट्रिक्स के तहत 1,35,000 रुपए प्रतिमाह सैलरी मिलेगी।
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

सिलेक्शन प्रोसेस :
स्क्रीनिंग ऑनलाइन परीक्षा या गेट स्कोर के बेसिस पर की जाएगी।
शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को पर्सनल इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा।
फाइनल सिलेक्शन मेडिकल फिटनेस के बेसिस पर किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
बार्क की ऑफिशियल वेबसाइट barcocesexam.in पर जाएं।
Scientific Officer Recruitment 2026 सेक्शन पर क्लिक करें।
OCES-2026 या DGFS-2026 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके लॉगिन आईडी बनाएं।
लॉगिन करक फॉर्म में मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
आवेदन फॉर्म भरकर सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी)

(रणनीति)

27. संत कबीर के गुरु कौन थे?
(A) रामानंद (B) नामदेव
(C) रैदास (D) नानक
उत्तर: (A)
व्याख्या: कबीर के गुरु रामानंद थे। कबीर ने 'निर्गुण भक्ति' का प्रचार किया।

28. गुरु नानक का जन्म कहाँ हुआ था?
(A) अमृतसर (B) तलवंडी (ननकाना साहिब) (C) लाहौर (D) आनंदपुर
उत्तर: (B)
व्याख्या: गुरु नानक का जन्म तलवंडी (वर्तमान पाकिस्तान में ननकाना साहिब) में हुआ था।

29. सूफी संतों के 'खानकाह' का क्या अर्थ है?
(A) संतों का निवास स्थान
(B) व्यापार केंद्र
(C) शिक्षा स्थल
(D) पूजा स्थल
उत्तर: (A)
व्याख्या: सूफी संतों के निवास और अनुयायियों के एकत्र होने के स्थान को 'खानकाह' कहा जाता था।

30. दिल्ली सल्तनत की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1192 ई. (B) 1206 ई.
(C) 1290 ई. (D) 1320 ई.
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1206 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक ने दिल्ली सल्तनत की स्थापना की थी।

31. 'तुगलक वंश' का अंतिम शासक कौन था?
(A) फिरोज तुगलक
(B) नसीरुद्दीन महमूद तुगलक
(C) मुहम्मद बिन तुगलक
(D) गयासुद्दीन तुगलक
उत्तर: (B)
व्याख्या: तुगलक वंश का अंतिम शासक नसीरुद्दीन महमूद तुगलक था।

32. 'सैयद वंश' की स्थापना किसने की थी?
(A) खिज्र खान (B) मुबारक शाह
(C) मुहम्मद शाह
(D) अलाउद्दीन शाह
उत्तर: (A) व्याख्या: तैमूर के प्रतिनिधि खिज्र खान ने सैयद वंश की स्थापना (1414 ई.) की थी।

33. 'लोदी वंश' का संस्थापक कौन था?
(A) बहलोल लोदी
(B) सिकंदर लोदी
(C) इब्राहिम लोदी
(D) खानजहाँ लोदी
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1451 ई. में बहलोल लोदी ने दिल्ली में लोदी वंश की स्थापना की थी।

34. 'पानीपत का प्रथम युद्ध' कब हुआ था?
(A) 1526 ई. (B) 1556 ई.
(C) 1761 ई. (D) 1600 ई.
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1526 ई. में बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच पहला पानीपत युद्ध हुआ, जिसमें बाबर विजयी हुआ।

35. मुगल साम्राज्य का संस्थापक कौन था?
(A) बाबर (B) हुमायूँ
(C) अकबर (D) शेरशाह
उत्तर: (A)
व्याख्या: बाबर ने 1526 ई. में दिल्ली सल्तनत को पराजित कर मुगल साम्राज्य की स्थापना की।

36. 'हुमायूँनामा' किसने लिखा?
(A) गुलबदन बेगम
(B)अबुल फज़ल (C) फैजी
(D) जहानारा बेगम
उत्तर: (A)
व्याख्या: गुलबदन बेगम (हुमायूँ की बहन) ने 'हुमायूँनामा' लिखा था।

37. अकबर की राजधानी पहले कहाँ थी?
(A) दिल्ली (B) आगरा
(C) फतेहपुर सीकरी (D) लाहौर
उत्तर: (C)
व्याख्या: अकबर ने 1571 ई. में फतेहपुर सीकरी को अपनी राजधानी बनाया।

38. अकबर के 'नवरत्नों' में कौन शामिल नहीं था?
(A) अबुल फज़ल (B) तानसेन
(C) बीरबल (D) औरंगजेब
उत्तर: (D) व्याख्या: औरंगजेब अकबर के समय में नहीं था; वह बाद में शासक बना।

39. अकबर के शासनकाल में राजस्व व्यवस्था किसने व्यवस्थित की?
(A) राजा टोडरमल (B) बीरबल
(C) अबुल फज़ल (D) मान सिंह
उत्तर: (A)
व्याख्या: राजा टोडरमल ने भूमि मापन पर आधारित 'दहसाला प्रणाली' लागू की।

40. 'दीन-ए-इलाही' की स्थापना किसने की थी?
(A) अकबर (B) शेरशाह
(C) औरंगजेब (D) जहांगीर
उत्तर: (A) व्याख्या: अकबर ने धार्मिक सहिष्णुता के उद्देश्य से 'दीन-ए-इलाही' नामक धर्म की स्थापना की।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

कोटा के उद्धव गुप्ता को मिला 1 करोड़ से ज्यादा का पैकेज

-IIT गुवाहाटी से हुआ कैंपस प्लेसमेंट

कोटा । मेडिकल और इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए मशहूर कोटा शहर एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां के रहने वाले उद्धव गुप्ता ने अपनी मेहनत से एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्हें मल्टीनेशनल कंपनी डेटाब्रिक्स ने 1 करोड़ रुपये से ज्यादा के सालाना पैकेज पर हायर किया है। उद्धव ने कोटा से ही कोचिंग लेकर आईआईटी एंट्रेंस क्रैक किया और आईआईटी गुवाहाटी से बीटेक कर रहे हैं। उनका कैंपस प्लेसमेंट इसी संस्थान से हुआ है।

रिसर्च फील्ड में काम करने की इच्छा-
उद्धव ने बताया कि उनका बीटेक कोर्स जुलाई 2026 में पूरा होगा। इसके बाद ही वे बैंगलुरु में कंपनी जॉइन करेंगे। यहां उनका काम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डाटा साइंस से जुड़ा होगा। उद्धव की योजना है कि पहले 2 साल कंपनी में जॉब करके व्यावहारिक अनुभव हासिल करेंगे। उसके बाद अमेरिका के किसी प्रतिष्ठित संस्थान से मास्टर्स की डिग्री लेंगे। वे आगे रिसर्च फील्ड में भी काम करने के इच्छुक हैं।

IIT गुवाहाटी में मिला एडमिशन-
उद्धव की सफलता की कहानी प्रेरणादायक है। वे किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (KVPY) में 2021 और 2022 मंत चयनित हुए थे। इस सफलता से उन्हें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc) बैंगलोर में एडमिशन मिल सकता था, लेकिन उनकी प्राथमिकता आईआईटी से कंप्यूटर साइंस में बीटेक करना था, इसलिए उन्होंने JEE मेन और एडवांस्ड पर फोकस किया। 2022 में 12वीं के साथ ही पहले प्रयास में JEE मेन में 371 रैंक और JEE एडवांस्ड में 514 रैंक हासिल की। इसी आधार पर आईआईटी गुवाहाटी में कंप्यूटर साइंस ब्रांच में एडमिशन लिया।

JEE एडवांस्ड में टारेगट-
उद्धव ने अपना टारगेट शुरू से ही क्लियर रखा था। वे कहते हैं, "मैं JEE एडवांस्ड में 500 के आसपास रैंक लाना चाहता था। क्लास 9 से ही आईआईटी की तैयारी शुरू कर दी थी।" उनकी स्कूलिंग कोटा के एक कान्वेंट स्कूल में हुई है। कोटा जैसे शहर में जहां लाखों स्टूडेंट्स कोचिंग सेंटरों में दिन-रात पढ़ते हैं, उद्धव ने अपनी डिसिप्लिन और फोकस से यह मुकाम पाया।

मां को दिया श्रेय-
उद्धव के परिवार ने भी उनका पूरा साथ दिया। उनके पिता मनोज प्रकाश गुप्ता कोटा के डडवाड़ा इलाके में रहते हैं और कोटा DRM ऑफिस के VIP सेल में रिजर्वेशन सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। उद्धव अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपनी मां श्रद्धा गुप्ता को देते हैं। वे कहते हैं, "मां ने हमेशा मोटिवेट किया और घर का माहौल ऐसा रखा कि पढ़ाई पर फोकस रह सके।" उनकी छोटी बहन उदिता भी आईआईटी एंट्रेंस की तैयारी कर रही है और उद्धव से प्रेरणा लेती है।

एडवर्ड नाथन वर्गीस बने युवाओं की प्रेरणा

-उम्र- 21 साल, पैकेज- 2.5 करोड़, पहले इंटरव्यू में ही मिल गई सबसे ज्यादा सैलरी वाली नौकरी

नई दिल्ली। आईआईटी हैदराबाद के प्लेसमेंट सीजन 2025-26 ने शानदार रिकॉर्ड स्थापित किया है। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के स्टूडेंट एडवर्ड नाथन वर्गीस ने नीदरलैंड स्थित ग्लोबल ट्रेडिंग फर्म Optiver से ₹2.5 करोड़ का वार्षिक पैकेज हासिल किया है। 2008 में स्थापित इस संस्थान के इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है। एडवर्ड ने यह उपलब्धि केवल 1 इंटरव्यू के जरिए हासिल की। उनके पैकेज ने IIT दिल्ली और बॉम्बे जैसे पुराने दिग्गजों के प्लेसमेंट आंकड़ों को कड़ी चुनौती दी है। एडवर्ड की सफलता ग्लोबल लेवल पर आईआईटी स्टूडेंट्स की बढ़ती मांग का प्रमाण है। 21 वर्षीय एडवर्ड ने अपनी 2 महीने की समर इंटर्नशिप को प्री-प्लेसमेंट ऑफर (PPO) में बदलकर यह मुकाम पाया। उन्होंने बताया कि पहले साल से ही उनकी रुचि कॉम्पिटिटिव प्रोग्रामिंग में थी और वह देश के टॉप 100 कोडर्स में शामिल रहे हैं। उनके माता-पिता भी इंजीनियर हैं। इन दिनों ग्लोबल स्तर पर जॉब मार्केट में मंदी की चर्चा है। एडवर्ड नाथन वर्गीज को मिले ऑफर से साबित होता है कि हाई स्किल्ड उम्मीदवारों के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है।

रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धि: ₹2.5 करोड़ का पैकेज-
आईआईटी हैदराबाद के प्लेसमेंट सेल के अनुसार, एडवर्ड नाथन वर्गीस को मिला यह ऑफर संस्थान की स्थापना के बाद से अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है। एडवर्ड जुलाई 2026 से नीदरलैंड के एम्सटर्डम ऑफिस में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम संभालेंगे। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2023-24 में उच्चतम पैकेज ₹90 लाख और 2024-25 में ₹66 लाख था। इस छलांग ने आईआईटी हैदराबाद को देश के टॉप प्लेसमेंट वाले संस्थानों की सूची में बहुत ऊपर ला खड़ा किया है। एडवर्ड की सफलता का राज उनकी समर इंटर्नशिप में छिपा है। Optiver ने इंटर्नशिप के लिए दो छात्रों को चुना था, लेकिन केवल एडवर्ड ही अपनी तकनीकी गहराई और दबाव में निर्णय लेने की क्षमता के बल पर PPO हासिल करने में सफल रहे। उनकी इंटर्नशिप में दो हफ्तों की गहन ट्रेनिंग और 6 हफ्तों का कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट शामिल था। एडवर्ड ने बताया कि उन्होंने सिर्फ इसी कंपनी के लिए इंटरव्यू दिया था। ऐसे में जब उनके मेंटर ने ऑफर के बारे में बताया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

कैट टॉपर लिस्ट में भी शामिल नाम-
हैदराबाद में जन्मे और बेंगलुरु में पले-बढ़े एडवर्ड नाथन वर्गीज ने अपनी सक्सेस का श्रेय कॉम्पिटिटिव प्रोग्रामिंग को दिया। उनका नाम देश के टॉप कोडर्स में लिया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने कैट यानी कॉमन एडमिशन टेस्ट में भी 99.96 परसेंटाइल हासिल कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। एडवर्ड नाथन वर्गीज का मानना है कि 'आईआईटी टैग' और संस्थान के फ्लेक्सिबल सिलेबस ने उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपनी रुचि तलाशने की आजादी दी।

संस्थान के एवरेज पैकेज में भारी उछाल-
इस साल आईआईटी हैदराबाद से सिर्फ एडवर्ड नाथन वर्गीज ने ही नाम रोशन नहीं किया है। इस प्लेसमेंट पैकेज में पूरे संस्थान का रिकॉर्ड सुधरा है। आईआईटी हैदराबाद प्लेसमेंट सेल से मिले आंकड़ों के अनुसार, आईआईटी हैदराबाद का औसत वार्षिक पैकेज (Average CTC) पिछले साल के ₹20.8 लाख से बढ़कर अब ₹36.2 लाख हो गया है। यह लगभग 75% की ऐतिहासिक वृद्धि है। पहले चरण के प्लेसमेंट में आईआईटी हैदराबाद के स्टूडेंट्स को 24 अंतर्राष्ट्रीय ऑफर मिले हैं।

सर्दी से बचने के लिए कौन-से फल सबसे बेहतर होते हैं

सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अगर रोज़ाना सही फलों का सेवन किया जाए, तो इम्यूनिटी मजबूत रहती है और शरीर को ठंड से लड़ने की ताकत मिलती है। कुछ खास फल ऐसे होते हैं जो सर्दी से बचाव में बहुत असरदार माने जाते हैं। सबसे पहला और सबसे फायदेमंद फल है संतरा। संतरा विटामिन-C से भरपूर होता है, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। रोज़ एक संतरा खाने से सर्दी-जुकाम का खतरा कम हो जाता है।

सेब भी सर्दियों में बेहद लाभकारी फल है। इसमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। सेब खाने से गले की खराश और कमजोरी दूर होती है।

अनार खून बढ़ाने के साथ-साथ शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन और मिनरल्स शरीर को ठंड से लड़ने की ताकत देते हैं। सर्दियों में अनार का जूस या दाने खाना बहुत फायदेमंद होता है।

अमरूद को सर्दियों का सुपरफूड माना जाता है। इसमें संतरे से भी ज्यादा विटामिन-C होता है। अमरूद खाने से खांसी, जुकाम और गले के इंफेक्शन से बचाव होता है।

पपीता पाचन को मजबूत करता है और शरीर में गर्माहट बनाए रखता है। जिन लोगों को सर्दियों में कब्ज की समस्या होती है, उनके लिए पपीता बहुत अच्छा फल है।

इसके अलावा कीनू, मौसमी और अंगूर भी सर्दियों में सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। इन फलों का नियमित सेवन करने से शरीर स्वस्थ रहता है और मौसम बदलने से होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। अगर आप सर्दियों में खुद को फिट और सर्दी से सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो इन फलों को अपनी रोज़ की डाइट में जरूर शामिल करें।

अंता में मुस्लिम एजुकेशन अवार्ड प्रोग्राम 2025 संपन्न

अंता (रॉयल पत्रिका)। ईदगाह कमेटी अंता की ओर से निजी मैरिज हॉल अंता में मुस्लिम समाज की प्रतिभाओं के सम्मान में एजुकेशन अवार्ड प्रोग्राम का आयोजन किया गया। ईदगाह कमेटी के प्रवक्ता रईस अहमद और सदाकत अली ने बताया कि इस प्रोग्राम में वर्ष 2025 में 10वीं,12वीं एवं डिग्री कोर्स में 75% से से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभावान स्टूडेंट्स, हाफ़िज़, आलिम, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों, विभिन्न राजकीय सेवाओं में नियुक्त होने वाले कार्मिकों तथा विविध क्षेत्रों में अपनी सराहनीय सेवाएं देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे मंजूर अली दीवान तहसीलदार अंता ने अपने संबोधन में प्रशासनिक सेवाओं में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. गुलाम नबी डिप्टी रजिस्ट्रार राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा ने स्टूडेंट से लक्ष्य निर्धारित कर उसे हसिल होने तक कठिन परिश्रम करने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि मोहम्मद सादिक अंसारी नायब तहसीलदार, डॉ. नय्यर अली और अताउर्रहमान इंजिनियर सुपरवाइजर ने अपने संबोधन में मुस्लिम स्टूडेंट्स के लिए राजकीय सेवाओं में भागीदारी बढ़ाने के लिए करियर काउंसलिंग को महत्वपूर्ण बताया साथ ही सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं से और अधिक मेहनत करने पर बल दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फातिमा सुल्ताना और उपजिला चिकित्सालय अंता की डॉ. इंशा राफिया ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज के लिए आवश्यक हैं इनसे समाज की प्रतिभाओं को सम्मान मिलता है जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अंजुमन इत्तेहाद ए बहामी जिला बारां के सदर आबिद हुसैन अंसारी ने इस अवसर

पर सभी सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं को मुबारक बाद दी। इस अवसर पर ईदगाह कमेटी के सदर हाजी रसूल मोहम्मद अंसारी ने प्रोग्राम कनवीनर नासिर हुसैन कुरैशी, सह कनवीनर नूरूल हसन और कमेटी के सदस्यों के सहयोग से सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अंत में सभी को धन्यवाद दिया। प्रोग्राम का बेहतरीन संचालन करने के लिए प्रिंसीपल जावेद रईस को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अंता तहसील के कई प्रबुद्धजन एवं गणमान्य व्यक्ति एवं सम्मानित होने वाली प्रतिभाओं सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे।

डॉ. मुश्ताक अहमद के सेवानिवृत्त होने पर कई सामाजिक संगठनों व चिकित्सालय स्टाफ ने किया स्वागत

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर के जाने-माने और अनुभवी चिकित्सक, डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी अपनी लंबी और बेदाग सेवाओं के बाद चिकित्सा जगत से आधिकारिक रूप से सेवानिवृत्त हो गए। शहर के धर्मादा चौराहा स्थित सिटी डिस्पेंसरी में ड्यूटी के अंतिम दिन उन्हें बधाई देने ओर स्वागत करने वालों का दिन भर तांता लगा रहा। उनके चाहने वाले ओर समाजसेवी संगठनों ने उनका माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर साफा बंधी करके उनका स्वागत कर लंबी ओर बेदाग सेवाओं के लिए बधाई दी। उनकी विदाई के अगले दिन डॉ. मुश्ताक अहमद द्वारा शहर के निजी मैरिज गार्डन में एक समारोह का आयोजन किया। जिसमें शहर के प्रमुख डॉक्टर्स, व्यापारिक, राजनीतिक, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग और उनके पारिवारिक लोग मौजूद रहे। सभी ने उनके सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व की सराहना की। सेवा और समर्पण की मिसाल डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी ने पिछले 33 वर्षों से चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान हजारों मरीजों का न केवल इलाज किया, बल्कि उन्हें

नया जीवन भी दिया। मरीजों के प्रति उनका व्यवहार हमेशा से ही सौम्य और अपनत्व भरा रहा है, जिसके चलते वे शहर के सबसे चहेते डॉक्टर्स में से एक माने जाते हैं। सरकार द्वारा आयोजित होने वाले हाजियों के टीकाकरण शिविर में भी उन्होंने हमेशा अपनी बेहतरीन खिदमत को अंजाम दिया है। कार्यक्रम में डॉ. मुश्ताक अहमद अंसारी के परिवार ने आए हुए सभी मेहमानों की मेज़बानी की। उनकी धर्मपत्नी सलीका, बेटे डॉ फरहान अंसारी, बेटी आयशा, दामाद आसिम ओर मोहम्मद आरिफ(मेडिकल) ने मुख्य द्वार पर खड़े होकर सभी दोस्त, डॉक्टर्स और स्टाफ का पलक-पांवड़े बिछाकर स्वागत किया। परिवार के इस अपनापन ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

15वीं स्टेट पैरा एथलेटिक्स में मुस्कान खान ने बढ़ाया प्रदेश का मान

-100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए

अंता (रॉयल पत्रिका)। बारां जिले के अंता विधानसभा के रायपुरिया निवासी मुस्कान पुत्री साबिर हुसैन कसुरी ने स्टेट पैरा एथलेटिक्स में दो स्वर्ण पदक जीतकर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया है। 15वीं स्टेट पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 में रायपुरिया अंता बारां निवासी मुस्कान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इस शानदार उपलब्धि के साथ मुस्कान ने नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए

भी क्वालीफाई कर लिया है। मुस्कान वर्तमान में जोधपुर में कोच अरविंद वैष्णव के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण ले रही हैं। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता से माता-पिता, परिवार, गांव रायपुरिया अंता तथा पूरे बारां जिले में खुशी की लहर है। साथ ही मुस्कान की यह उपलब्धि प्रदेश राजस्थान के लिए भी गर्व का विषय बन गई है। मुस्कान की मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास आज प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणा बन गया है। सभी क्षेत्रवासियों एवं खेलप्रेमियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नेशनल प्रतियोगिता के लिए मुबारकबाद 15वीं स्टेट पैरा एथलेटिक्स में मुस्कान खान ने बढ दी हैं।

6 जनवरी को मनाया जाएगा जश्ने अशरफ

मोहम्मद यासीन

कपासन (रॉयल पत्रिका)। हज़रत मखदूम अशरफ जहाँगीर सिमनानी र.अ. की याद मे मंगलवार, 06 जनवरी को जश्ने अशरफ मनाया जाएगा। बज्मे अशरफी के सैक्रेट्री एवं पूर्व पार्षद अशरफ हुसैन अंसारी के अनुसार हर साल की तरह इस साल भी किछोछा शरीफ जिला अम्बेडकर नगर उत्तर प्रदेश मे स्थित दरगाह हजरत मखदूम अशरफ जहाँगीर सिमनानी र.अ. की याद मे मंगलवार को मोमीन मोहल्ला, नहर के पास बाद नमाजे ईशा जश्ने अशरफ बडी ही शानो शोकत के साथ मनाया जाएगा। जश्ने अशरफ में पीरे तरीकत औलादे गौसे आजम हज़रत अल्लामा अलहाज डॉ. सैयद जलालुद्दीन अशरफ उर्फ कादरी मियां (चेयरमेन मखदूम अशरफ मिशन पण्डवा शरीफ जिला मालदा पश्चिम बंगाल) की तकरीर होगी। शायरे इस्लाम उस्मान गनी के साथ ही मुकामी व बैरोनी ओलमाऐ किराम व शोएरा हजरात भी शिरकत फरमाएगें। बज्मे अशरफी के सदर अब्रदुरज्जाक मंसूरी के अनुसार हज़रत कादरी मियाँ बुधवार प्रातः काल को डबोक हवाई अड्डे से लखनऊ तशरीफ ले जायेगें।

पिड़ावा निवासी डॉ. हाफिज इलियास अहमद का मुंबई में सम्मान

-बेस्ट आयुर्वेदा डॉक्टर अवार्ड से हुए सम्मानित

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मुंबई 28 दिसंबर को आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर द्वारा डॉ. हाफ़िज़ इलियास अहमद को बेस्ट आयुर्वेदा डॉक्टर अवार्ड से नवाजा गया। यह अवार्ड डॉ. हाफिज इलियास अहमद को उनके बेहतरीन यूनानी चिकित्सा पद्धति में मरीजों की असाध्य जटिल बीमारियों के आसान सफल, सस्ता इलाज के लिए दिया गया। डॉ. इल्यास द्वारा देश भर में हज़ारों रोगियों की सफल चिकित्सा कर चुके हैं। डॉ.

इल्यास 35 वर्षों से यूनानी पद्धति द्वारा गरीब व असहाय लोगों का निःशुल्क इलाज करते हैं। डॉ. इलयास को विशेष रूप ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांफ्रेंस आवार्ड, हमदर्द आवार्ड सहित कई अवॉर्ड से नवाज़ा जा चुका है। आयुश कालेज एन्ड हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर,सिक्स सेंस रिसर्च एसोसिएशन एन्ड होलिस्टिक मेडिसिन द्वारा 8 वां सम्मान समारोह में डॉ. हाफिज़ इल्यास अहमद को बेस्ट आयुर्वेदा डॉक्टर आवार्ड दिया गया। सम्मान समारोह में देश भर से सैकड़ों डॉक्टर शरीक हुए।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत विकास कार्यों का निरीक्षण, जिला कलक्टर भी रहे साथ

-आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत विकास कार्यों का निरीक्षण अतिरिक्त सचिव ने पॉलीहाउस, नरेगा व स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार नीति आयोग के अतिरिक्त सचिव राजीव सिंह ठाकुर शनिवार को भी अपने प्रवास पर जिले के विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति तथा आमजन को मिलने वाले प्रत्यक्ष लाभ के संबंध में जानकारी ली। अतिरिक्त सचिव ठाकुर ने सबसे पहले राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मण्डोला छापर पहुंचकर विद्यालय परिसर में स्थापित आर.ओ. सिस्टम एवं सोलर पैनल का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल शुद्धिकरण व्यवस्था एवं सौर ऊर्जा के उपयोग के संबंध में विद्यालय प्रशासन से जानकारी प्राप्त की तथा बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। इसके बाद वे बहादुरगंज पहुंचे, जहां पॉलीहाउस, सोलर सिस्टम, फार्म पोंड एवं ड्रिप सिंचाई व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि कृषि में आधुनिक तकनीक अपनाने से किसानों की आय में वृद्धि संभव है तथा पानी व ऊर्जा की बचत भी होती है। उन्होंने इन योजनाओं के व्यापक प्रसार पर जोर दिया। चरड़ाना गांव में अतिरिक्त सचिव ने महात्मा गांधी नरेगा, स्वच्छ भारत मिशन

एवं डांग विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रमिकों से चर्चा कर कार्यों की प्रगति व समयबद्धता की जानकारी ली तथा स्वच्छता एवं रोजगार सृजन की दिशाओं में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। इसके पश्चात ग्राम छेलाबेल स्थित स्वास्थ्य उपकेन्द्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं तथा आमजन को मिलने वाली सेवाओं की जानकारी ली। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ व प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, एसडीएम विश्वजीत सिंह, सीएमएचओ डॉ. संजीव सक्सेना, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गेंदालाल रैगर, पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. सतीश लहरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंजुमन इस्लामियां चुनाव कमेटी सदस्यों ने मदरसे पहुंच कर जानी चुनावी प्रकिया

बारां (रॉयल पत्रिका) । मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां के सदर माजिद सलीम ने 31 दिसंबर को हुई कमेटी की आखिरी बैठक में कार्यकारणी भंग करके आगामी 16 जनवरी 2026 को चुनाव करवाने की घोषणा कर दी। इसके साथ ही उन्होंने निष्पक्ष और शांतिपूर्वक मदरसे के चुनाव करवाने के लिए शहर के बुद्धिजीवी लोगों की पांच सदस्य कमेटी बनाकर उनके जरिए चुनाव प्रक्रिया को पूरा करवाने की घोषणा की, जिनमें मास्टर शौकत अंसारी, मास्टर अनवर अली, एडवोकेट फिरोज खान, एडवोकेट रईस हाशमी और मास्टर मोहम्मद सलाम दिलावर को पांच सदस्य कमेटी में रखा गया। जिनके द्वारा पूरी चुनावी प्रकिया को अंजाम दिया जाएगा। चुनाव कमेटी के एडवोकेट फिरोज खान, मास्टर अनवर अली ओर एडवोकेट रईस हाशमी ने अंजुमन मदरसे पहुंच कर कार्यवाहक सदर माजिद सलीम और अंजुमन के मुहासिब नासिर खान बंटी से चुनाव संबंधी जानकारी हासिल की। इसके बाद

उन्होंने बताया कि 05 जनवरी 2026 से सभी पंचायतों को रुक्के भेजना शुरू कर दिए जाएंगे, जिनके अंजुमन में जमा करने की आखिरी तारीख 11 जनवरी 2026 सुबह 12 बजे तक रखी गई है। तय समय पर पंचायत के सदर या पटेल द्वारा रुक्का जमा करवाना जरूरी है। इसके अलावा सभी पंचायतों को विवाद की स्थिति में सारी समस्याओं के समाधान पंचायत स्तर पर ही करने होंगे। साथ ही सभी पंचायतें और सदर इस तालीम के इदारें में तालीम याफ़्ता ओर अंजुमन की फलाह के लिए काम करने वाले शख्स को ही मेंबर भेजे। ताकि तालीम के इस इदारे को ओर ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद मिल सके।

सीरते मुस्तफा मददगार सोसाइटी द्वारा नि: शुल्क शादी सम्मेलन 29 मार्च को झालावाड़ में होगा आयोजित

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। सीरते मुस्तफा मददगार सोसाइटी हबीब नगर झालावाड़ की जानिब से 29 मार्च, 2026 को ईदगाह परिसर झालावाड़ में नि: शुल्क इजतिमाई शादी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सोसाइटी के सेक्रेटरी राजू भाई हबीब नगर वालों ने जानकारी देते हुए बताया कि रजिस्टर सोसाइटी है जो कौम के गरीब असहाय लोगों की खिदमत का काम करती है,यह काम सोसाइटी,के सभी मेम्बर हजरात के सहयोग से करती है। इसमें मुख्य रूप से गरीब जरूरत मंदों की आर्थिक सहायता करना, कौम के गरीब बिमारों की मदद करना,कौम में किसी के इंतकाल हो जाने पर कफ़न दफन का इंतजाम करना है अब सोसाइटी ने अपनी मदद का दायरा बढाने का फैसला किया है और कौम के गरीब लोगों के बच्चों का निकाह करवाने का फैसला किया है इसके लिए रजिस्टर्ड ब्रांच सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर की जानिब से पहला निशुल्क इज्तिमाई शादी सम्मेलन 29 मार्च 2026 को झालावाड़ में होगा आयोजित सम्मेलन को कामयाब बनाने के लिए 2 जनवरी शूक्रवार को बाद नमाज इंशा के करामत अली

बाबा साहब की दरगाह झालरापाटन रोड पर सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन की सदारत में 29 मार्च 2026 को होने वाले निशुल्क सम्मेलन की इंतजामिया कमेटी बनाने ओर सलाह मशवरा वास्ते एक मीटिंग रखी गई जिसमें हाजी निजाम चौधरी, ईदगाह सदर अब्बू भाई, कब्रिस्तान कमेटी सदर सलाम भाई, कालू भाई, मुकीम भाई टाटा, हाजी अली हुसैन, हाजी सय्यद मुमताज अली, हाजी सलीम मास्टर साहब, डॉक्टर जी एम सैयद साहब, सैयद भूरु भाई, सय्यद मुस्ताक अली, आरीफ हूसेन गोरी, इकबाल भाई भाटी, डॉक्टर रोशन खान, इस्माइल अंसारी, महफूज भाई, भय्यू भाई और सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर के तमाम मेम्बर हजरात मौजूद रहे।

अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने किया तहसील बारां के एक दर्जन से अधिक गांवों का दौरा

-मतदाताओं का जताया आभार, क्षैत्र के सामाजिक, धार्मिक एवं विकास के कार्यों को करवाने में नही रखूंगा कोई कमी- प्रमोद भाया

बारां (रॉयल पत्रिका)। अन्ता विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया अन्ता विधानसभा में भारी मतों से विजयी होने पर मतदाताओं का आभार जताने के लिए रविवार को तहसील बारां क्षैत्र के एक दर्जन से अधिक गांवो में पहुंचे। कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष बारां सिद्वार्थ नागर एवं मण्डल अध्यक्ष पवन गौत्तम ने जानकारी देते हुए बताया कि अन्ता से नव निर्वाचित विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया आज दूसरे दिन अंता विधानसभा क्षैत्र के तहसील बारां के गांव पीलिया, तिसाया, खेडलीकेषो, खेडलीकेषो की टापरिया, मानपुरा, फून्दा जी की टापरिया, कोयला, मियाडा, खेडी जागीर, बमूलिया जागीर एवं चैनपुरिया गांवों में पहुंचे जहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा भाया का बडी गर्मजोषी से माल्यार्पण कर, आतिषबाजी कर स्थान-स्थान पर भावभीना स्वागत सम्मान किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने आमजन से

जुडे मुद्दों को लेकर प्रमोद जैन भाया को परिवाद भी सौंपे जिन पर प्रमोद जैन भाया ने उचित कार्यवाही का आष्वासन प्रदान किया। अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने गांव में स्थित कई मंदिरों पर पहुंचकर देव दर्षन किए तथा कहा कि अन्ता विधानसभा क्षैत्र के सभी निवासी उनका परिवार है एवं हमेषा इनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहूंगा। भाया ने कहा कि मेरे द्वारा पहले भी इस क्षैत्र के विकास में कोई कमी नही रखी थी तथा जब तक जान में जान है तब तक क्षैत्र के धार्मिक, सामाजिक एवं विकास के कार्य करवाने में कोई कमी नही रखूंगा।

मुंबई में आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर द्वारा डॉक्टर तोहिद को सम्मानित किया

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। मुंबई में आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, सिक्स सेंस रिसर्च एसोसिएशन और और होली सटीक मेडिसिन द्वारा आठवां सम्मान समारोह मैं डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद को बेस्ट आयुर्वैदिक डॉक्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया। आयुष कॉलेज एंड हॉस्पिटल रिचार्ज सेंटर के सम्मान समझ में देशभर की सैकड़ो डॉक्टर एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉक्टर तोहिद 45 सालों से आयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सा कर रहे हैं अपने जटिल रोगियों का इलाज कर रहे हैं जैसे गुर्दे की पथरी चर्म रोग खून खराबी साइटिका स्लिप डिस्क हिजामा कप थेरेपी इलेक्ट्रोथेरेपी आंखों की बीमारी आदि का आयुर्वेदिक दवाई द्वारा कर रहे हैं।

डॉक्टर तोहिद को डॉक्टर पी पुष्कर डॉक्टर चंदन कुमार डॉक्टर बी कमार ने शाल उड़ाकर अवार्ड सम्मानित किया । डॉक्टर अब्दुल रऊफ तहिद को 28 नेशनल कन्वेंशनल ऑन युनानी मेडिसिन ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस गुजरात स्टेट सितंबर 2017 को अहमदाबाद में सम्मानित किया गया था।

झालावाड़ पुलिस की कार्यवाही, स्पा सेन्टर की आड़ में अवैध गतिविधियां कर चौथ वसूली करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

-एक महिला सहित दो आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि अपराध नियंत्रण एवं असामाजिक तत्वों की अवैध गतिविधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सख्त कार्यवाही करने हेतु सभी थानाधिकारियो को विशेष निर्देश दिये हुए है। विगत कुछ दिनो से शहर झालावाड में खण्डिया कालोनी स्थित "द ओशिश स्पॉ मसाज सेन्टर पर वेश्यावृत्ति करवाने का झांसा देकर मसाज करवाने आने वाले लोगो से अवैध वसूली की शिकायते प्राप्त हो रही थी। जिसके तहत थानाधिकारी कोतवाली द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुये "द ओशिश स्पॉ मसाज सेन्टर" पर छापा मारकर अवैध गतिविधियों में लिप्त महिला मेघा मुखर्जी व उसके साथी लोकेश कुमार बैरवा को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। पुलिस कार्यवाही जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्पों मसाज सेन्टरो पर अवैध,गतिविधियो की शिकायते प्राप्त होने पर उक्त गतिविधियों की रोकथाम व प्रभावी कार्यवाही हेतु अति० पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा अति० पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व हर्षराज सिंह वृत्ताधिकारी वृत्त झालावाड

के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी कोतवाली मुकेश कुमार मीणा पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम गटित कर स्पॉ मसाज सेन्टर पर वेश्यावृत्ति करवाने का झांसा देकर मसाज करवाने वाले आने लोगो से अवैध वसूली की शिकायत की तस्दीक हेतु "द ओशिश स्पॉ मसाज सेन्टर' पर बोगस ग्राहक तैयार कर स्पॉ मसाज सेन्टर पर भेजा गया तो शिकायत की तस्दीक होने पर त्वरित प्लॉनिग कर स्पॉ मसाज सेन्टर पर छापा मारकर अवैध गतिविधियो में लिप्त महिला मेघा मुखर्जी व उसके साथी लोकेश कुमार बैरवा को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। वारदात में संलिप्त अन्य अभियुक्त के बारे में अनुसधांन किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त-

मेघा पुत्री सुबोध मुखर्जी जाति पासवान उम्र 30 साल निवासी मकान नम्बर 118/105 अशोक विहार गांव थाना अशोक विहार उतर पश्चिम दिल्ली, लोकेश कुमार बैरवा पुत्र रामलाल जाति बैरवा उम्र 36 साल निवासी अगावली थाना बसवा जिला दोसा,

कोतवाली पुलिस टीमः-

मुकेश कुमार मीणा पु.नि. थानाधिकारी, भगवान सिंह हैड कानि. सुशीला हैड कानि. शीतल म. कानि. जगदीश कानि,जरनेल कानि० मौजूद रहे।

ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पठान साहब गिरने से चोटिल

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। ह्यूमन राइट्स जस्टिस एसोसिएशन राजस्थान के अध्यक्ष मोहम्मद खान पठान को मोटरसाइकिल एक्सीडेंट में पैर पर एवं कंधे की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। जोधपुर एम्स हॉस्पिटल में ऑपरेशन सफ़ल हो गया है यह जानकारी ह्यूमन राइट्स

जस्टिस एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर अब्दुल रऊफ तोहिद ने दी हैं। अध्यक्ष खान पठान ने बताया कि एम्स में सभी डॉक्टर का शुक्रिया अदा करता है। जिन्होंने बहुत ही अच्छे ढंग से मेरा सफल ऑपरेशन किया एवं वहां के सभी नर्सिंग स्टाफ का भी मैं शुक्रिया अदा करता हूं। मोहम्मद खान पठान को बहुत हीजल्द एम्स हॉस्पिटल से छुट्टी हो जाएगी।

खराब मौसम के कारण केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का विमान झालावाड़ में उतरा

-भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

रामगंजमंडी/कोटा (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का रविवार को कोटा आगमन प्रस्तावित था, लेकिन खराब मौसम के चलते उनका विमान झालावाड़ की कोलाना हवाई पट्टी पर उतरा। उनके आगमन पर भाजपा नेता अखिलेश मेड़तवाल एवं नरेंद्र राजा के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आत्मीय एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया। स्वागत के पश्चात केंद्रीय मंत्री शेखावत सड़क मार्ग से झालावाड़ से खानपुर एवं बारां होते हुए कोटा के लिए रवाना हुए। कोटा पहुंचकर वे अटल जनशताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों, कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के समापन समारोह तथा आर्ट हिल आयोजन में सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष

अखिलेश मेड़तवाल ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर के नेतृत्व में 23, 24 एवं 25 जनवरी को रामगंजमंडी में आयोजित होने वाली बाबा बागेश्वर धाम की कथा में पधारने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री के आगमन को संगठन के लिए प्रेरणादायी बताया और कार्यक्रमों की सफलता की कामना की।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी द्वारा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित ग्रेविटी कोचिंग में सोसाइटी द्वारा अल्पसंख्यक छात्र छात्राओं के लिए, एक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शीर्षक था "आज के इस दौर में, छात्रों के बौद्धिक विकास के लिए, क्या मोबाइल फोन जरूरी है?" प्रोग्राम के मुख्य अतिथि सुनील कुमार झाझडिया और विशिष्ट अतिथि डॉ. जे बी खान, श्रीमती अभिलाषा भाटी, मशहूर शायर इदरीस राज चुरुवी थे। प्रोग्राम का आयोजन, ग्रेविटी साइंस अकैडमी प्रांगण में किया गया। जिसमें कौम की बच्चियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

प्रथम पुरस्कार रौनक खान पुत्री मुमताज़ खान वॉइस प्रिन्सिपल ने, विषय के विपक्ष में बोलते हुए, हासिल किया। द्वितीय पुरस्कार हलीमा बानो पुत्री अब्दुल लतीफ ग्रेविटी साइंस अकैडमी ने और तृतीय स्थान सोफिया पुत्री इकबाल खान भी ग्रेविटी साइंस अकैडमी की छात्रा रही। सोसाइटी के अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर ने बताया कि यह वाद विवाद प्रतियोगिता, फारूक हसन गौरी मेमोरियल और ग्रेविटी साइंस अकैडमी, चूरू के सौजन्य से आयोजित की गई है, जिसमें बच्चों को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो और नकद इनाम राशि, सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी डॉ. फखरुल हसन गौरी द्वारा, फारूक की स्मृति में प्रदान की गई। सोसाइटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान ने उद्बोधन के अलावा एक नात भी, तरन्नुम के साथ पेश की।

मुख्य अतिथि DYSP सुनील कुमार झाझडिया ने छात्रों को नसीहत दी, कि वे रोड पर ट्रैफ़िक नियमों का पालन करें, गाड़ी गलत जगह पार्किंग नहीं करें, अभिभावक 18 साल से कम उम्र के बच्चों को गाड़ी चलाने की अनुमति नहीं दें, उन्होंने यहां तक कहा कि, उन्हें मानसिक तकलीफ़ होती है, जब कानून का उल्लंघन करने पर छोटे बच्चों पर ज्यादा जुर्माना लगाना पड़ जाता है। उन्होंने बच्चों

को सम्मानित करते हुए, लगातार मेहनत करने की नसीहत दी। डॉ. जे बी खान ने अपने उद्बोधन में, बच्चों को कामयाबी के कई टिप्स बताए और व्यक्तित्व निर्माण के लिए तार्किक क्षमता को जरूरी बताया। श्रीमती अभिलाषा भाटी ने प्रतियोगी बच्चों की तारीफ की और बच्चों को कई सुझाव दिए। फारूक मेमोरियल के बारे में बोलते हुए वह खुद भी भावुक हो गई और सोसाइटी के पदाधिकारी भी खास तौर पर डॉ. एफ एच गौरी जी। निर्णायक मंडल के जज शायर इदरीस राज खत्री ने, वाद विवाद प्रतियोगिता में, बच्चों की तारीफ तो की ही, मगर साथ ही, उनसे हुई त्रुटियों की ओर भी उनका ध्यान आकर्षित किया। मंच का संचालन, वाद विवाद प्रतियोगिता के प्रभारी मोहम्मद आरिफ खान प्रिन्सिपल ने किया। प्रोग्राम में डॉ. मुस्तकीम शेख रिटायर्ड बैंक मैनेजर, रियाज खान ए ईएन, आसिफ़ खान ए ईएन, अब्दुल सत्तार अंसारी शिक्षाविद, मोहम्मद रशीद खान शिक्षाविद, मोहम्मद सदिक खान शिक्षाविद, रिटायर्ड प्रिंसिपल नजीर मोहम्मद खान, प्रिन्सिपल मुराद खान, प्रिन्सिपल सलीम खान, अध्यापक निजाम खान, मोहम्मद निसार खान, रमजान खान नवांकुर अकादमी, सलीम खान दिलावर खानी, उस्मान अंसारी समाज सेवी, वसीम भाटी शिक्षा विद, समीर खान, साहिल खान, दिलशाद खान, लायंस आबिद खान सहित बड़ी संख्या में गण मान्य लोग मौजूद रहे। अन्त में सोसाइटी अध्यक्ष शौकत अली खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर ने ग्रेविटी साइंस अकैडमी के डायरेक्टर खुर्शीद गौरी और डॉ. एफ एच गोरी और सभी मेहमानों का आभार जताया।

कौम नागौरी तेलियान की अहम मीटिंग संपन्न

-हाजी लुकमान खोखर बने सदर

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। कौम नागौरी तेलियान की एक अहम और ऐतिहासिक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के बुज़ुर्गों, नौजवानों और जिम्मेदार साथियों की मौजूदगी में हाजी लुकमान खोखर को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। मीटिंग का माहौल पूरी तरह भाईचारे, इत्तेहाद और आपसी सहमति से भरा हुआ रहा। सभी मौजूद लोगों ने एकमत होकर लुकमान खोखर पर भरोसा जताया और उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी। अध्यक्ष चुने जाने के बाद लुकमान खोखर ने समाज के तमाम लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि वे पूरी ईमानदारी, मेहनत और नेक नीयत के साथ कौम की खिदमत करेंगे और समाज को तरक़्क़ी की नई राह पर ले जाने की कोशिश करेंगे। मीटिंग के अंत में समाज के

वरिष्ठजनों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को मुबारकबाद दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की दुआ की। यह चयन कौम नागौरी तेलियान पाली के लिए एक नई शुरुआत और मज़बूत नेतृत्व का संकेत माना जा रहा है। इस मौके पर हाजी सलीम गौरी,हाजी उस्मान खोखर, निसार अहमद खत्री, अब्दुल हमीद गौरी, सलीम खत्री, बाबू भाई पार्षद, मौसिनखत्री पार्षद, इकरामुद्दीन, अमीन गौरी, रऊफुद्दीन खोखर उपस्थित रहे।

सांचौर झाब पंचायत समिति को रद्द करने का विरोध जारी

-अनिश्चितकालीन धरने पर महिलाओं ने संभाली कमान

-बैठक में बोले ग्रामीण विकास की नई राह खोलेगा भादरूणा पंचायत समिति का गठन

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । झाब को पंचायत समिति का दर्जा देकर 29 दिसंबर को जारी सरकारी पत्र में इसे निरस्त कर भादरूणा को पंचायत समिति मुख्यालय घोषित करने पर क्षेत्र की जनता में भारी रोष देखने को मिल रहा है। झाब सहित पंचायत समिति के 24 गांव के ग्रामीण प्रतिदिन पंचायत समिति बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले एकत्रित होकर पांचवें दिन अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे व कड़ा विरोध करते हुए झाब को पंचायत समिति बनाने की मांग की। धरना स्थल पर क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए एवं बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लिया। महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए सरकार के प्रति विरोध जताया है महिलाओं ने बताया कि अगर समय रहते झाब को पंचायत समिति नहीं बनाया गया तो वह चुप नहीं बैठेगी। ग्रामीणों सहित महिलाओं ने धरना स्थल से रैली का आयोजन किया जो सांचौर चार रस्ता होते हुए पंचायत भवन तक पहुंचा उसके पश्चात महिलाओं ने पुलिस थाने पहुंचे धरनार्थियों व महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक ज्ञापन दिया। लोगों ने कहा कि भादरूणा को पंचायत समिति मुख्यालय बनाने से दूर दराज के गांव

के लोगों को प्रशासनिक कार्यों से भारी परेशानी होगी एवं प्रतिनिधि मंडल ने नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। उधर भादरूणा पंचायत समिति बनाए जाने के निर्णय पर ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए एक आम ग्रामीणों की बैठक आयोजित की जिसमें सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। बैठक में गांव के जनप्रतिनिधियों, पूर्व सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, समाजसेवियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया बैठक में वक्ताओं ने कहा कि भादरूणा गांव पहले से ही प्रशासनिक और जन सुविधाओं की दृष्टि से पूरी तरह सक्षम है। यहां बैंक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,पशु चिकित्सालय, अनाज मंडी, जीएसएस और बिजली विभाग जीएन लाइन जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं इसके साथ ही पंचायत समिति भवन निर्माण के लिए पर्याप्त सरकारी भूमि भी मौजूद है, जिसे भविष्य में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी। ग्रामीणों ने बताया कि भादरूणा में भौगोलिक दृष्टि से आसपास के गांव का प्रमुख केंद्र हैं यहां से जयपुर, अहमदाबाद और मुंबई सहित अन्य बड़े शहरों के लिए नियमित बस सेवा उपलब्ध हैं जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलती हैं इस कारण भादरूणा को पंचायत समिति बनाने का निर्णय व्यावहारिक और जनहित में बताया गया। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने झाब में धरने पर बैठे लोगों को अपना भाई बताते हुए कहा है कि जब प्रशासनिक स्तर पर निर्णय हो चुका है तो सभी को मिलकर इसे स्वीकार करना चाहिए उन्होंने क्षेत्र में आपसी सौंदर्य, भाईचारे और विकास का माहौल बनाए रखने, इस फैसले का सम्मान करने और विकास की दिशा में एकजुट होकर आगे बढ़ाने की अपील की है।

कांग्रेस महासचिव धीरज गुर्जर का उनके निवास पर भव्य स्वागत

-नवनियुक्त जिलाध्यक्ष इकबाल शाह ने लिया आशीर्वाद

भीलवाड़ा/बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के राष्ट्रीय महासचिव धीरज गुर्जर के निवास पर रविवार कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा। मौका था भीलवाड़ा ग्रामीण कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह और उनकी टीम द्वारा स्वागत समारोह का। इकबाल मोहम्मद शाह और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धीरज गुर्जर के निवास पर पहुंचकर गर्मजोशी से उनका माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। उपस्थित लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान धीरज गुर्जर ने इकबाल मोहम्मद शाह को जिला अध्यक्ष बनने पर बधाई दी और कहा कि जनता और कार्यकर्ताओं का स्नेह ही उनकी असली ताकत है। विकास कार्यों पर हुई चर्चा: मुलाकात के दौरान क्षेत्र के विकास और संगठन की मजबूती को लेकर आपसी संवाद हुआ। धीरज गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने का मंत्र दिया। ये रहे मौजूद: इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राजसमंद प्रभारी आरिफ खान कायमखानी और इमरान अंसारी सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस राजस्थान इंटक का 24 वां अधिवेशन संपन्न

-चौथी बार सर्व सहमति से प्रदेश अध्यक्ष बने जगदीश राजमाली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस राजस्थान इंटक का 24 वा महा अधिवेशन ब्यावर में संपन्न हुआ। जिसमें चौथी बार सर्व सहमति से इंटक के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राज माली को बनाया गया। आपने कहा जो मजदूरों के हितों की बात करेगा वही देश पर राज करेगा। प्रदेश की सभी जिला इकाइयों ने समर्थन किया एवं स्वागत किया गया। संजय सिंह शेखावत प्रदेश अध्यक्ष नल मजदूर यूनियन इंटक जयपुर राकेश पावटे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, सी डी देवल पूर्व सांसद, किशोर चौधरी ब्यावर जिला अध्यक्ष, सुरेश गोयल पूर्व मंत्री, दिनेश शर्मा पूर्व

उपाध्यक्ष, मानक डांगी, नारायण गुर्जर, राजेश व्यास, बरकत अली, दामोदर गुर्जर, राजेश पारीक, भागचंद, ताराचंद जयपुर, अयूब खान जिला अध्यक्ष चूरु, संजय कुमार गुर्जर, ऋवण कुमार सैनी, शंकर लाल सैनी, अशोक कुमार गुर्जर, मनीष कुमार वर्मा, मजदूर महापंचायत आदि ने हिस्सा लिया। अध्यक्ष ने अधिवेशन में आए हुए राजस्थान से सभी पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का चूरू जिला अग्रवाल समाज ने किया अभिनंदन

-चौथी बार प्रदेश कोषाध्यक्ष बने चूरू के पंकज गुप्ता

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के चौथी बार प्रदेश कोषाध्यक्ष बनने पर पंकज गुप्ता का रविवार को ग्रैंड शेखावाटी होटल में चूरू जिला अग्रवाल समाज की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व सभापति गौरीशंकर मंडावेवाला, परमानंद मंगलुनिया सुजानगढ़, राजगढ़ के पूर्व पालिकाध्यक्ष जगदीश बैरासरिया, रतनगढ़ से अग्रवाल समाज के जिला अध्यक्ष कैलाश चौधरी, जगदीश जयसिंहसरिया सरदारशहर, सुशील सरावगी तारानगर, भाजपा महिला मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष पूनम गुप्ता, निर्मला देवी मंडावेवाला, ललिता रामगढ़िया, राधेश्याम पांडूसरिया, पवन बगड़िया अतिथि थे। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम को अग्र कुंभ का नाम देते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम से अग्रवाल समाज में नई चेतना का संचार हुआ है।अतिथियों का महेंद्र राजगढ़िया, श्यामसुंदर मित्तल, संजय मुरारका, राजेश बैरासरिया, संजय चाचाण, विनोद उड़सरिया,विमलेश भालेरीवाला, सुलेखा, मीनाक्षी ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। वहीं डॉ प्रेम प्रकाश गोयल, सुरेंद्र खेमका, बजरंग बाजोरिया, संजय सिंघानिया, राज मोदी, डॉ. सारिका अग्रवाल, कालीचरण खेमका, विनीत बजाज,वेणुगोपाल मंडावेवाला, श्रीकांत बगड़िया, सुशील बजाज, शेरू गोयनका, महेश गोयनका, मुरलीधर ऊँटवालिया,

प्रदीप सरावगी, अंकित बाजोरिया, रघुनाथ खेमका, कल्पेश सराफ, अरविंद बगड़िया, काशीराम क्याल, राजेश भावसिंहका, चंद्रशेखर झुंझुनूंवाला ने भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता का माला, साफा, शॉल, श्रीफल, मोमेंटो, अभिनंदन पत्र, अग्रसेन जी की प्रतिमा के साथ सम्मान किया। पवन बगड़िया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। अपने अभिनंदन से अभिभूत पंकज गुप्ता ने कहा कि आज समाज को एक मंच पर देखकर मन प्रसन्न हो रहा है। हम एक दूसरे को जोड़कर आगे बढ़ते जाएं तभी इस कार्यक्रम की सार्थकता है, उन्होंने बताया कि इस सम्मान के वह आभारी है और हमेशा समाज के लिए तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में ज़िले भर से आए अग्रवाल समाज के महिला पुरुष उपस्थित रहे। संचालन मुकुल भाटी ने किया।

इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा कंबल वितरित किए गए

फतेहपुर (रॉयल पत्रिका)। इंसानियत एकता सेवा समिति, चूरू द्वारा चल रहे पिछले 19 दिनों से रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान के तहत फतेहपुर में चूरू स्टेण्ड, रेलवेस्टेशन, मोहल्ला तेलियान सहित कई जगहों पर असहाय व ज़रूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए गए। कम्बल मिलने पर जरूरतमंदों को खुशी हुई और उन्हें सर्दी से राहत मिली। इस अवसर पर अभियान संयोजक व समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि अपने लिए तो हर इंसान जीता है , लेकिन जो इंसान दूसरों के लिए जीता हो उसको ही असल ज़िन्दगी कहते हैं। उन्होंने कहा कि बेसहारा लोगों की मदद करना और उनके सुख-दुःख में साथ खड़े रहना, इसी का नाम इंसानियत है। सामाजिक कार्यकर्त्ता मोनिस खान जलालसर ने बताया कि बेसहारा लोगों की मदद करना हम सबकी जिम्मेदारी है।इस दौरान समिति व्यवस्थापक जाफर खान, सुलेमान मनीहार, अबरार खान, फैसल खान, पंकज सैनी, इकबाल पठान, सोयल खान आदि मौजूद रहे।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा शिक्षा में नई तकनीकी पहल: वर्चुअल डिसेक्शन टेबल का उद्घाटन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (GMCH), उदयपुर के एनाटॉमी विभाग में दिनांक 02 जनवरी 2026 को अत्याधुनिक वर्चुअल डिसेक्शन टेबल (Virtual Dissection Table – VDT) का शुभारंभ किया गया। इस अत्याधुनिक तकनीक का उद्घाटन गीतांजली ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने किया| वर्चुअल डिसेक्शन टेबल एक अत्याधुनिक 3D इंटरएक्टिव तकनीक है, जिसके माध्यम से मेडिकल छात्र मानव शरीर रचना को गहराई से समझ सकेंगे। यह नवीन तकनीक स्नातक (UG), स्नातकोत्तर (PG) छात्रों एवं सर्जिकल टीम के लिए शिक्षण अनुभव को और अधिक प्रभावी बनाएगी तथा मानव शरीर की संरचना को बेहतर तरीके से समझने में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर अंकित अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा शिक्षा में तकनीक का समावेश अत्यंत आवश्यक है। वर्चुअल डिसेक्शन टेबल एनाटॉमी विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन अनुभव प्राप्त होगा और मानव शरीर

रचना की गहन एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी। इस अवसर पर माननीय कुलपति डॉ. राकेश कुमार व्यास, वाइस प्रेसिडेंट – सीए संदीप कुणावत, डीन – डॉ. संगीता गुप्ता सहित गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के अनेक वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य, स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस नई सुविधा के शुभारंभ से गीतांजली मेडिकल कॉलेज चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक और सशक्त कदम आगे बढ़ा रहा है।

मदरसा दारुल उलूम सैयदना तौकीर हसन चिश्ती में महफिल-ए-मिलाद, जलसा का आयोजन

-इसी मदरसे से हाफिज हुए मौलाना जाकिर ने अपने बेटे सुलेमान को हाफिज बनाया, बाप और बेटे ने यहीं से तालीम हासिल की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सैनिक बस्ती स्थित मदरसा दारुल उलूम सैयदना तौकीर हसन चिश्ती में कुरआन शरीफ का मुकम्मल होना छात्रों द्वारा कठ्न्थ याद करना हाफ़िज़-ए-कुरआन होने पर एक अजीम ओ शान महफ़िल-ए-मिलाद का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता मदरसा के सदर हाजी उस्मान गनी दिलावर खानी ने की। कार्यक्रम में खास मेहमान हजरत सैयद मुमताज शाह एवं सैयद मकबूल साहब मौजूद रहे। मदरसा के छात्रों ने नाते पाक प्रस्तुत की। हिफज करने वाले तीन छात्रों का फूल माला व साफा बांधकर सम्मान किया गया। जिसमें हाफिज सुलेमान, हाफिज अरमान, हाफिज ओवैस का खास मेहमानों ने स्वागत किया। मदरसा के प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रजा मिस्बाही ने सभी आए हुए मेहमानों का फूल मालाओं से स्वागत किया। आपने कहा मिलाद-ए- महफिल में खास तिलावत-ए-कुरान की आयतो से आगाज़ किया जाता है और अल्लाह की तारीफ और

हुजूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की शान में कलाम यानी हम्द ओर नात पढ़ें जाते हैं। दुआ-ए-खत्म-ए-कुरान यह सबसे खास वक्त होता है जब कुरान पूरा होने की खुशी में अल्लाह से मगफिरत और बरकत की दुआ मांगी जाती है। नसीहत-ओलमा या बड़े बुजुर्ग कुरान की तालीमात पर अमल करने की ताकिद करते हैं। तबरूक-अंत में मेहमानों के लिए प्रसाद, मिठाई, शिरनी या खाने का इंतजाम होता है। अल्लाह हमारे इस कोशिश को कबूल फरमाए और कुरान की रोशनी आपके घर और दिल में हमेशा कायम रखें। रोनके स्टेज पर मौलाना फैजान, मौलाना सहाबुद्दीन, मौलाना शब्बीर, मौलाना याकूब, कारी कुर्बान अली, हाफ़िज़ अब्बास, मौलाना अहमद अली, मौलाना शाकिर, हसनैन एवं मदरसा कमेटी के सदर हाजी उस्मान गनी खां, मोहम्मद सलीम खां सर्वा, हाजी जमालुद्दीन, साबिर खान आदि मौजूद रहे। अल्लामा सैयद साहब ने दुआ की और सलातो-सलाम के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रज्जा ने आए हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

गीतांजली हॉस्पिटल में लेज़र सर्जरी कार्यशाला का सफल आयोजन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका) । गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के जनरल सर्जरी विभाग द्वारा एक दिवसीय लेज़र सर्जरी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह शैक्षणिक कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. संजीव अग्रवाल एवं प्रोफेसर डॉ. अजय चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. मोहित कुमार बड़गुर्जर के नेतृत्व में संपूर्ण शल्य चिकित्सा विभाग के सहयोग से इस कार्यक्रम को सफल बनाया गया। कार्यशाला के दौरान आधुनिक लेज़र तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए कुल 9 मरीजों में लेज़र सर्जरी का लाइव डेमो प्रस्तुत किया गया, जिसमें 3 वैरिकोज वेन्स (एक पुनरावर्ती केस), 3 फिस्टुला-इन-एनो (दो ट्रांसस्फिंक्टेरिक) तथा 3 बवासीर (हेमोरॉयड्स) के केस शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ. विवेक शर्मा (अजमेर) ने विशेष आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में

भाग लिया| उन्होंने व्यापक अनुभव एवं तकनीकी ज्ञान को साझा किया। उन्होंने बताया कि लेज़र सर्जरी से मरीजों को कम दर्द, कम रक्तस्राव, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा जल्दी अस्पताल से छुट्टी जैसे अनेक लाभ मिलते हैं। उनकी विनम्रता, सरल स्वभाव तथा फैकल्टी एवं रेजिडेंट्स के प्रश्नों को धैर्यपूर्वक स्पष्ट करने की शैली की सभी ने सराहना की। इस कार्यशाला में लगभग 40 सर्जनों, जिनमें फैकल्टी सदस्य एवं रेजिडेंट डॉक्टर शामिल थे, ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागी सर्जनों ने लेज़र तकनीक से संबंधित नवीन तकनीकी प्रगति को न केवल सैद्धांतिक बल्कि व्यावहारिक रूप से भी समझा, जिससे भविष्य में मरीजों को बेहतर एवं आधुनिक उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा। कार्यक्रम की सफलता में एनेस्थीसिया विभाग का विशेष योगदान रहा, जिसके लिए डॉ. अलका छाबड़ा (विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया), डॉ. पूजा पटेल एवं डॉ. पिंकी सहित संपूर्ण एनेस्थीसिया टीम का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. रविंदर कुंडू (विभागाध्यक्ष), डॉ. यामिनी एवं डॉ. शिवम के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। इसके अतिरिक्त हेमंत गर्ग एवं संपूर्ण ऑपरेशन थिएटर स्टाफ के महत्वपूर्ण सहयोग से यह कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस शैक्षणिक आयोजन को फैकल्टी सदस्यों एवं रेजिडेंट डॉक्टरों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

ख़ालिदा ज़िया के भारत के जलपाईगुड़ी में जन्म पर मतभेद सामने आए

नई दिल्ली । "ख़ालिदा ज़िया का जन्म हमारे घर के ठीक सामने वाले मकान में हुआ था। देश के विभाजन के बाद संपत्ति की अदला-बदली के समय अमरेंद्र नाथ चक्रवर्ती पूर्वी पाकिस्तान से इस घर में रहने आए और यहाँ रह रहा ख़ालिदा ज़िया का परिवार पूर्वी पाकिस्तान चला गया था।" पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी ज़िले की नई बस्ती में रहने वाले भोला मंडल ने यह बात बताई। वह ज़िला खेल संघ के सचिव भी हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष ख़ालिदा ज़िया के निधन के बाद उनके जन्मस्थान पर नए सिरे से चर्चा हो रही है। भारत और बांग्लादेश के अख़बारों और सोशल मीडिया में ख़ालिदा ज़िया के जन्मस्थान को लेकर सूचनाओं की भरमार है। यह बहस तेज़ हो गई है कि उनका जन्म बांग्लादेश के दिनाजपुर में हुआ था या भारत के जलपाईगुड़ी में। दोनों दावों के पक्ष और विपक्ष में दलीलें दी जा रही हैं। ख़ालिदा के निधन के बाद उनकी पार्टी बीएनपी की ओर से जारी संक्षिप्त जीवनी में बताया गया था कि उनका जन्म जलपाईगुड़ी में हुआ था। लेकिन ख़ालिदा की जीवनी लिखने वाले पत्रकार (अब दिवंगत) महफ़ूज़ उल्लाह ने अपनी किताब 'बेगम ख़ालिदा ज़िया- हर लाइफ़, हर स्टोरी' में लिखा है कि उनका जन्म दिनाजपुर में हुआ था। हालांकि उस किताब में लिखा है कि ख़ालिदा के पिता इस्कंदर मजूमदार आठवीं क्लास की पढ़ाई के बाद जलपाईगुड़ी में अपनी बहन और बहनोई के पास चले गए थे। उन्होंने वहीं से मैट्रिक की परीक्षा पास की और एक चाय बागान में नौकरी शुरू की। उसके बाद उन्होंने चाय का कारोबार शुरू किया। तत्कालीन ब्रिटिश भारत के जलपाईगुड़ी में 1937 में उनकी शादी हुई थी। जलपाईगुड़ी पश्चिम बंगाल के उत्तरी इलाक़े में बांग्लादेश की सीमा से सटा एक ज़िला मुख्यालय शहर है। वहां रहने वाले कई लोगों ने दावा किया है कि ख़ालिदा के पिता इस्कंदर मजूमदार वहीं

नई बस्ती में रहते थे और उनका जन्म भी वहीं हुआ था। लेकिन इस दावे पर भी संदेह जताए जा रहे हैं। लोगों में इस मुद्दे पर मतभेद भी सामने आए हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के मीडिया सेल ने ख़ालिदा ज़िया की जो संक्षिप्त जीवनी जारी की है, उसमें बताया गया है, जिया का पैतृक आवास फेनी ज़िले के फूलगाजी उपजिले के तहत श्रीरामपुर गाँव के मजूमदार बाड़ी में है। उनके पिता इस्कंदर मजूमदार एक व्यापारी थे। इस्कंदर वर्ष 1919 में फेनी से जलपाईगुड़ी पहुंचे थे। बहन के घर रह कर मैट्रिक की परीक्षा पास करने के बाद वो चाय के कारोबार में शामिल हो गए। इसमें बताया गया है कि इस्कंदर की शादी वर्ष 1937 में जलपाईगुड़ी में हुई थी। वो वहां नई बस्ती इलाक़े में वर्ष 1947 तक रहे थे। उनका निधन 15 नवंबर 1984 के हुआ था। ख़ालिदा की मां बेगम तैयबा मजूमदार एक गृहिणी थीं।

जलपाईगुड़ी के लोगों का क्या कहना है?-

जलपाईगुड़ी शहर के जिस नई बस्ती इलाक़े में खालिदा जिया का जन्म होने का दावा किया जा रहा है, वहाँ रहने वाले कुछ लोगों ने उनके पिता इस्कंदर मजूमदार के निवास के तौर पर एक मकान की शिनाख्त की है। फ़िलहाल अरिंदम चक्रवर्ती उस घर के मालिक हैं। उनके साथ तो संपर्क नहीं हो सका। लेकिन ख़ालिदा के कुछ पड़ोसियों के अलावा ज़िला खेल संघ के सचिव भोला मंडल ने ख़ालिदा का जन्म उसी घर में होने का दावा किया है। भोला मंडल ने स्थानीय पत्रकारों को बताया है कि इस्कंदर मजूमदार उनके घर के ठीक सामने वाले मकान में रहते थे। उनका कहना था, "ख़ालिदा ज़िया का जन्म हमारे घर के ठीक सामने वाले मकान में हुआ था। देश की आज़ादी के बाद संपत्ति की अदला-बदली के समय अमरेंद्र नाथ चक्रवर्ती सीमा पार से यहां आ गए और ख़ालिदा ज़िया का परिवार तब पूर्वी पाकिस्तान चला गया था।" मंडल का दावा है कि उनकी मां ने बचपन में ख़ालिदा को अपनी गोद में भी खिलाया था। इलाक़े के कई अन्य लोगों ने भी स्थानीय पत्रकारों से बातचीत में ख़ालिदा खानम का जन्म उसी मोहल्ले में होने का दावा किया है। ज़ियाउर रहमान के साथ शादी के बाद उनका नाम खालिदा ज़िया हो गया था। शहर के नई बस्ती इलाके में रहने वाले उन लोगों का कहना है कि ख़ालिदा के परिवार के साथ उनकी पहले की पीढ़ी के लोगों यानी माता-पिता के संबंध थे। लेकिन उनके पास इस बात का कोई सबूत नहीं है।

ममदानी को क्यों याद आया उमर खालिद

-चिट्ठी में लिखा- 'हम आपके बारे में...'

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में पिछले करीब 5 सालों से बंद जेएनयू के पूर्व छात्र और सामाजिक कार्यकर्ता उमर खालिद को अब ममदानी का समर्थन मिला है। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के नए मेयर जोहरान ममदानी ने उमर खालिद को एक भावनात्मक पत्र लिखकर उनके प्रति एकजुटता जताई है। यह पत्र उसी दिन सामने आया, जब जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में शपथ ली थी। ममदानी भारतीय मूल के हैं और न्यूयॉर्क जैसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम मेयर बने हैं। बिना तारीख के इस पत्र में ममदानी ने उमर खालिद के परिवार से हुई बातचीत का जिक्र किया है। उन्होंने लिखा कि वे उमर के विचारों और उनके संघर्ष को लगातार याद करते हैं। पत्र में ममदानी ने लिखा कि उन्हें उमर के माता-पिता से मिलकर अच्छा लगा और वे सभी उमर के बारे में सोचते रहते हैं।

सोशल मीडिया पर सामने आया पत्र:-

यह हाथ से लिखा पत्र उमर खालिद की पार्टनर बनोज्योत्सना लाहिरी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया। पत्र में ममदानी ने उमर की तरफ से नफरत और कड़वाहट के खिलाफ कही गई बातों को याद करते हुए मानसिक मजबूती बनाए रखने की सराहना की।

पहले भी उमर खालिद के समर्थन में बोल चुके हैं ममदानी:-

यह पहली बार नहीं है जब जोहरान ममदानी ने उमर खालिद का समर्थन किया हो। जून 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले न्यूयॉर्क में आयोजित एक कार्यक्रम में ममदानी ने उमर खालिद की तरफ से जेल से लिखे गए पत्र के कुछ अंश सार्वजनिक रूप से पढ़े थे। उस समय ममदानी न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य थे।

अमेरिकी सांसदों ने भी उठाई थी आवाज:-

उमर खालिद के मामले को लेकर इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय दबाव देखने को मिला था। 8 अमेरिकी सांसदों ने वॉशिंगटन स्थित भारतीय राजदूत को पत्र लिखकर उमर खालिद को जमानत देने और निष्पक्ष व समयबद्ध सुनवाई की मांग की थी। इस पहल में कई प्रमुख डेमोक्रेट सांसद शामिल थे।

उमर खालिद पर लगे आरोप:-

38 वर्षीय उमर खालिद को सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर भारतीय दंड संहिता और UAPA के तहत गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अब तक उन्हें नियमित जमानत नहीं मिल पाई है। हाल ही में बहन की शादी में शामिल होने के लिए उन्हें सीमित समय के लिए अंतरिम जमानत दी गई थी, जिसमें बोलने और सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर सख्त पाबंदियां लगाई गई थीं।

62 नगर कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी घोषित

जयपुर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अनुमोदन के पश्चात प्रदेश कांग्रेस के 62 नगर कांग्रेस कमेटियों की कार्यकारिणी जारी की गई है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व मीडिया चैयरपर्सन स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि नगर कांग्रेस कमेटी जिनकी कार्यकारिणी जारी की गई है उनके नाम निम्न प्रकार से हैं। अजमेर जिले की केकड़ी, टांटोटी, अलवर की कठूमर, बालोतरा जिले की सिवाना, समदड़ी, सिणधरी, बाड़मेर की गुड़ामालानी, बारां की अटरू, बीकानेर की श्रीडूंगरगढ़, कोटपुतली-बहरोड़ जिले की बानसूर, खैरथल-तिजारा की टपूकड़ा, बूंदी जिले की नैनवां, चित्तौड़गढ़ की आकोला, कपासन, चुरू जिले की रतननगर, रतनगढ़, राजगढ़, बीदासर, धौलपुर की सैपऊ, मनिया, दौसा की रामगढ़ पचवारा, दौसा, हनुमानगढ़ की भादरा, रावतसर, जयपुर की बगरू, शाहपुरा, कानोता, किशनगढ़ रेनवाल, नारायणा, फुलेरा, जोबनेर, जालोर की आहोर, झालावाड़ की अकलेरा, मनोहरथाना, झुन्झुनू जिले की पिलानी, मलसीसर, बिसाऊ, डूंडलोद, मुकुंदगढ़, नवलगढ़, बुहाना, उदयपुरवाटी, जोधपुर जिले की मथानिया, तिंवरी, डीडवाना-कुचामन जिले की बोरावड़, परबतसर सिटी, सवाईमाधोपुर की बामनवास, बौंली, वज़ीरपुर, नीमकाथाना-सीकर जिले की नीमकाथाना, खण्डेला, श्रीगंगानगर जिले की रायसिंहनगर, सादुलशहर, गजसिंहपुर, श्रीकरणपुर, पदमपुर, सूरतगढ़, टोंक जिले की पीपलू, उदयपुर देहात की मावली, सीकर जिले की दांता और रामगढ़ शेखावाटी की नगर कांग्रेस कमेटियां घोषित की गई है।

घर बैठे इस्लामाबाद-कराची साफ, ब्रह्मोस से भी तेज ध्वनि मिसाईल तैयार

नई दिल्ली। अमेरिका ने लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला पर एयर स्ट्रा इक कर उसके राष्ट्रडपति को बंधक बना लिया। इससे पहले ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी की गई थी। उससे भी पहले रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू हो गया। बाद में इजरायल ने गाजा पर धावा बोल दिया। इन सैन्य संघर्षों में एक बात कॉमन है- एरियल स्ट्रा इक यानी हवाई हमला। 21वीं सदी का सैन्यव टकराव 20वीं सदी के युद्ध से कई मायनों में अलग है। पहले आर्मी की भूमिका अहम होती थी और अब एयरफोर्स ड्राइविंग सीट पर है। जिस देश की वायुसेना जितनी ताकतवर है, उसका ग्लोकबल लेवल पर उतना ही दबदबा है। अब तो ड्रोन वॉर भी होने लगा है। ऐसे में हर देश अपनी क्षमता के अनुसार एयर डिफेंस सिस्ट म डेवलप कर रहा है। इसके साथ ही एक और डेवलपमेंट हो रहा है। दुनिया के तमाम देश अब ऐसे वेपन सिस्ट्म पर फोकस करने लगे हैं, जो रडार और एयर डिफेंस सिस्ट म को चकमा देकर दुश्मुन टारगेट को निशाना बना सके। अमेरिका से लेकर रूस और चीन तक इस होड़ में शामिल है। भारत भी पीछे नहीं है। इसमें हाइपरसोनिक मिसाइल्सप खास हथियार के रूप में सामने आ रही हैं। हाइपरसोनिक मिसाइल की रफ्तार इतनी होती है कि कई बार मौजूदा रडार सिस्टकम उसे इंटरसेप्ट नहीं कर पाता है।

भारत वैसे ही सिस्टफम पर काम कर रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ध्वसनि हाइपरसोनिक ग्लाहइड व्हीकल डेवलप करने में जुटा है। इसकी रेंज इतनी होगी कि दिल्लीस में बैठकर कुछ ही मिनटों में कराची और इस्लामाबाद को धूल में मिलाया जा सकता है। DRDO देश के हाइपरसोनिक वेपन प्रोग्राम में एक अहम उपलब्धि हासिल करने की तैयारी में है। DRDO वर्ष 2026 की पहली तिमाही में ध्वनि (Dhvani) हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल (HGV) का पहला उड़ान परीक्षण करने जा रहा है। यह ट्रायल भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को नई ऊंचाई देने वाला माना जा रहा है और इसके साथ ही भारत अमेरिका, रूस और चीन जैसे देशों की कतार में खड़ा हो जाएगा, जो पहले से ही हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक में महारत रखते हैं। ध्वनि एक अत्याधुनिक बूस्ट-ग्लाइड सिस्टम पर आधारित है। इस प्रणाली में पहले एक रॉकेट बूस्टर व्हीहकल को बहुत ऊंचाई तक ले जाता है। इसके बाद यह उससे अलग होकर वायुमंडल के भीतर बेहद तेज गति से फिसलते यानी ग्ला इड करते हुए आगे बढ़ता है। इसकी खासियत यह है कि यह मैक 6 (7400 किलोमीटर प्रति घंटा) या उससे अधिक यानी ध्वनि की गति से छह गुना से भी ज्यादा रफ्तार से उड़ान भर सकता है। इतनी तेज गति के साथ-साथ यह रास्ते में तीखे मोड़ लेने और दिशा बदलने में भी सक्षम है, जिससे दुश्मन की मिसाइल रक्षा प्रणालियों (Missile Defence Systems) के लिए इसे रोकना बेहद कठिन हो जाता है।

फ़ारूक़ पटेल : गुजरात के कामयाब कारोबारी

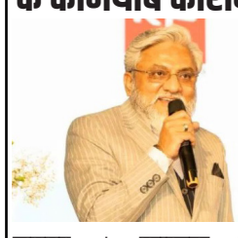

जयपुर । फ़ारूक़ गुलाम पटेल सूरत के रहने वाले हैं। उनका ताल्लुक़ एक सादा और मेहनतकश घराने से है, जहाँ वालिद बस कंडक्टर की नौकरी करते थे। शुरुआती ज़िंदगी में उन्होंने तंगी, मेहनत और सब्र के कई मराहिल देखे, मगर हालात को अपनी तक़दीर मानकर क़ुबूल नहीं किया। कड़ी जद्दोजहद के बाद उन्होंने KP Group की बुनियाद रखी, जो आज सोलर एनर्जी, ग्रीन पावर और इंफ़्रास्ट्रक्चर जैसे अहम शोबों में काम कर रहा है। मुख़्तलिफ़ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक़ उनके ग्रुप का बिज़नेस साइज हज़ारों करोड़ रुपये में बताया जाता है, और कुछ जगहों पर यह आँकड़ा 20 हज़ार करोड़ तक ज़िक्र किया गया है। फ़ारूक़ पटेल आज सूरत और गुजरात के कामयाब और असरदार मुस्लिम कारोबारियों में शुमार किए जाते हैं।

पंजाब आई ड्रॉप्स (आयुर्वेदिक औषधि साइड इफेक्ट रहित)

आँखों में निःशुल्क दवा डाली जाती है सुबह 8 से 11 बजे तक

➲ आँखों से कम दिखना। ➲ आँखों में धुंधलापन।
➲ आँखों में जलन। ➲ आँखों से पानी बहना।
➲ आँखों में खुजली।
➲ आँखों में मोबाइल एवं कम्प्यूटर से रेडिएशन।
➲ आँखों से मोतियाबिन्द हटाने में उपयोगी।

स्थाई लाभ के लिए प्रतिदिन दिन में 3 बार 2-2 बूंद प्रयोग करें।

तौहीद क्लिनिक+
मण्डी रोड़, सुकेत
डॉ. ए. आर. तौहीद 7737006116, 9829789239

Reg. No. - 503 / 1998-99

Principal
Alfiya
M. 8094535201

Director
Najmunnisa
M. 9667135201

Recognised by Raj. Govt.

Safiya Public Secondary School
S.R. PUBLIC SCHOOL
SAFIYA ENGLISH SCHOOL

AIR COOLED CLASS ROOMS
CCTV CLASS ROOMS
SCHOOL ADMISSION OPEN
Nursery to Xth
English & Hindi

Facilities
- Library
- Indoor Games
- Outdoor Games
- Smart Classrooms
- Art & Craft
- Qualified & Trained Teachers
- Dance & Music Class
- Picnic & Educational Tour
- Computer Lab
- Doctor Check-up
- Free Extra Classes

E-mail: safiyapublicssschool@gmail.com
Website: www.safiyapublicschool.com

• B-1024-25, Sanjay Nagar, Bhatta Basti Shastri Nagar, Jaipur
• I - 27, J P Colony, Shastri Nagar, Jaipur - 302016

मोबाइल के ज़्यादा इस्तेमाल से नुकसान

आजकल मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल के प्रयोग से आपसी संवाद, शिक्षा और मनोरंजन के जितने फायदे हैं उससे ज़्यादा नुकसान भी समाज में दिखाई देने लगे हैं। ज़रूरत से ज़्यादा मोबाइल का इस्तेमाल हमारी मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसान करना शुरू कर सकता है। हमारे समाज के युवाओं को मोबाइल की लत लग चुकी है। युवाओं में एवं मोबाइल ज़्यादा इस्तेमाल करने वालों में तनाव का बढ़ना, नींद का कम आना या नींद नहीं आना, शरीर में हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ जाना, शरीर में रेडिएशन बढ़ने से कैंसर होना आमतौर से दिखाई देने लगा है। इसके अलावा हमारी युवा पीढ़ी मोबाइल के ज़्यादा इस्तेमाल से अवसाद (Depression) का शिकार होती जा रही है। मोबाइल का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं, रात-रात भर जाग रहे हैं। युवा मोबाइल ज़्यादा देखने से मानसिक और शारीरिक कमज़ोरी का शिकार हो रहे हैं। यही कारण है कि युवाओं का वैवाहिक जीवन खतरे में पड़ने की शिकायत लगातार आने लगी है। मोबाइल का ज़्यादा इस्तेमाल युवाओं को वैवाहिक विफलता की ओर ले जा रहा है। इसलिए इस समस्या से छुटकारा पाना बहुत जरूरी होता है। इस समस्या के समाधान के लिए और अपनी व्यक्तिगत समस्या के लिए बिना झिझक (पूर्ण गोपनीय) हमसे मिला जा सकता है। हमारे यहां कुशल विशेषज्ञों द्वारा मुफ्त परामर्श दिया जाता है। हमारा उद्देश्य: स्वस्थ युवा - स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत है।

-बी. उस्मानी
97211 08030, 99180 200 20, 8209820217

Reg.:- 368/06-07
Recognised by Education Department Govt. of Rajasthan Estd. 2006 | Recognised
AFFILIATED TO RBSE
ROYAL OXFORD SR. SEC. SCHOOL
HINDI MEDIUM BRANCH
33, Choudhary Colony, Gangapole, Jaipur 7891894619
royaloxford1111@gmail.com www.royaloxford.com
AFFILIATED TO RBSE
ROYAL OXFORD ENGLISH SCHOOL
AN ENGLISH MEDIUM BRANCH
1544-Samode Haweli Ke Piche, Gangapole Road, Jaipur
7851-010988 royaloxfordenglishschool@gmail.com

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com